पौष शुक्ल पक्ष 7 संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 174 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
27 दिसंबर 2025 शनिवार

आज का मौसम
23.6 अधिकतम
4.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

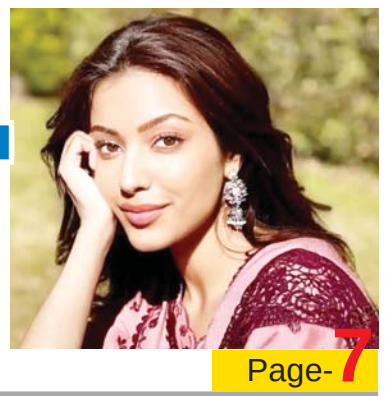

Page-7

तस्वीर के सहारे राहुल की राजनीति... खुद को गढ़ते, या बढ़ते हुए नेता?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

राहुल गांधी की एक नई तस्वीर सोशल मीडिया पर इन दिनों ट्रेंड कर रही है। इसमें वे एक विमान में एग्जीक्यूटिव क्लास की बजाय इकोनॉमी क्लास में बैठकर सफर करते दिख रहे हैं। यहाँ तक तो कोई दिक्कत नहीं। दिक्कत है इस फोटो के साथ कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे सवाल से। सवाल यह है कि कभी नरेंद्र मोदी को ऐसे देखा है? यानी इस फोटो का सीधा मकसद राहुल की मोदी से तुलना करना है। अब सवाल यही है कि क्या राहुल ऐसा करके खुद को मोदी से श्रेष्ठ साबित कर पायेंगे ? देश की जनता को पता है कि नरेंद्र मोदी किस पारिवारिक पृष्ठभूमि से आते हैं और राहुल गांधी पारिवारिक विरासत के साथ आए हैं। राहुल के पिता और दादी इस देश के पीएम रहे हैं। पिता के नाना और राहुल के परनाना यानी पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इस देश की बुनियाद रखी। आगे चलकर नेहरू और तथाकथित गांधी परिवार ने कांग्रेस को हाईजैक करके इसे फैमिली पार्टी बना दिया। यानी वंशवाद के कंधों पर सवार राहुल गांधी का राजनीतिक पदार्पण एक युवराज के बतौर हुआ। बीते इक्कीस सालों से वह लगातार सांसद हैं। बीस साल उनकी मम्मी कांग्रेस अध्यक्ष रहीं तो राहुल भी पार्टी अध्यक्ष रहने के बाद अब नेता प्रतिपक्ष हैं। वैसे तो इक्कीस साल में कोई मेहनत से काम करे तो कामयाबियों की मनचाही ऊँचाइयाँ हासिल कर सकता है। लेकिन पचपन साल की उम्र में भी उन्हें खुद को जनता का नेता बनने के लिए ना- ना प्रकार

के जतन करना पड़ रहे हैं। मोदी को चाय वाला कांग्रेसियों ने ही कहा था न ? मोदी ने उसी चाय वाले शब्द को पकड़कर जता दिया कि वे देश के आम लोगों के बीच से निकले नेता हैं। फिर राहुल ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राफेल विमानों की खरीदी को लेकर चौकीदार चोर का जुमला गढ़ा। मोदी ने इसे फौरन लपक लिया और नारा चला दिया हाँ मैं ही देश का चौकीदार। जनता ने भी उन्हें को हाथों हाथ लिया और बीजेपी को तीन सौ के पार पहुँचा दिया। 2024 में जरूर राहुल 'संविधान और आरक्षण खतरे में हैं' के मुद्दे पर कुछ हद तक लोगों को गुमराह करने में कामयाब रहे और 99 सीट कांग्रेस को दिला दी। लेकिन काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ सकती। यह लोगों ने उन्हें हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और अब बिहार में दिखा दिया। लेकिन अपनी रणनीति और गलतियों पर गौर करने के बजाय कभी ईवीएम तो कभी वोट चोरी की तोहमत बीजेपी और चुनाव आयोग पर लगाकर आप सफल नहीं हो सकते। मोदी से तुलना जब जब करेंगे, राहुल मात खाएँगे। यदि बीजेपी का विकल्प बनना है तो बीजेपी से बेहतर प्रकल्प जनता के सामने पेश करना होंगे। इससे उलट राहुल अभी भी अपनी छवि निर्माण में लगे हैं। कभी ट्रक ड्राइवर बनते हैं, मैकेनिक बनते हैं, खेत में जाते हैं, कभी कुली का गमछा बांध लेते हैं। कभी कमर तक गहरे पानी में कूदकर खुद को बिहार का निषाद बताने कि चेष्टा करते हैं। ऐसा करके उन्हें लगा था मछुआरा समाज उनकी पार्टी पर फिदा हो जाएगा, जो हो न सका। जनेऊ पहनकर वे खुद को दत्तात्रेय ब्राह्मण बताते हैं। अपने दादा फ़िरोज गाँधी का वो कभी भुलकर भी नाम नहीं लेते। यानि कुल मिलाकर आप जो हो वह नहीं बताते और जो नहीं (आम लोगों के बीच का नेता) वह बताने के लिए स्टंटबाजी करते हैं। लेकिन यह ज़मीन पर उतरने का जतन नहीं, कैमरे पर होने वाला अभिनय है। राजनीति में दो रास्ते होते हैं। या तो ज़मीन से ऊपर चढ़ो, या ऊपर से नीचे गिरकर 'आम' बनने की एक्टिंग करो। राहुल गांधी दूसरा रास्ता चुन चुके हैं.. ! शायद उन्हें अभी भी अपनी और देश की बदलती पीढ़ी की समझ को लेकर कई मुगालते हैं, जिसके चलते आम आदमी के मर्म को वह छू नहीं पा रहे।

4.6° के साथ कांपा भोपाल, सीजन में सबसे सर्द, पचमढ़ी से भी ठंडा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। शुक्रवार-शनिवार की रात में प्रदेश के कई जिलों में पारे में खासी गिरावट देखने को मिली। भोपाल में सीजन का सबसे कम तापमान शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात 4.6 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.1 डिग्री कम रहा। इससे पहले दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री दर्ज किया गया था। हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा 4.8 डिग्री पर रहा। दूसरी ओर, राजगढ़ प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा। यहां पारा रिकॉर्ड 3.8 डिग्री पर पहुंच गया। बड़े शहरों में इंदौर में 6.2 डिग्री, ग्वालियर 6.7, उज्जैन 7.3 और जबलपुर में तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, खजुराहो, रीवा, रायसेन, शिवपुरी, दमोह, मंडला, दतिया, सतना, गुना, श्योपुर, धार, रतलाम समेत करीब 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। इधर, 16 से ज्यादा जिलों में कोहरे का असर भी देखा गया। इस वजह से ट्रेनें लेट हो गई। दिल्ली से आने वाली ज्यादातर ट्रेनें 4 से 8 घंटे की देरी से चल रही है। मौसम विभाग ने कोहरे को देखते हुए वाहन चालकों से सावधानी बरतने की अपील की है।

अमेजन, जोमैटो , स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म के डिलीवरी पार्टनर्स ने किया हड़ताल का एलान

नए साल के जश्न में पड़ सकता है खलल नहीं मिल पाएगी ऑनलाइन डिलीवरी !

नईदिल्ली, एजेंसी

काम के आधार पर मेहनताना पाने वाले ऑनलाइन डिलीवरी में लगे लोग अब अपने शोषण के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। नए साल के जश्न से पहले अमेजन, जोमैटो , स्विगी और ब्लिंकिट जैसे प्लेटफॉर्म्स के लिए डिलीवरी करने वाले पार्टनर्स ने 31 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल पर जाने का फैसला किया है। यह विरोधघटती कमाई, काम के असुरक्षित घंटों और पारदर्शी नीतियों के अभाव के खिलाफ है। अगर यह हड़ताल बड़े स्तर पर होती है तो नए साल की शाम मेट्रो और टियर-2 शहरों में फूड और ग्रॉसरी डिलीवरी सेवाएं पूरी तरह ठप हो सकती हैं।

अमेजन, फ्लिपकार्ट, जोमैटो, और जेप्टो जैसी बड़ी कंपनियों से जुड़े लाखों कर्मचारी इस हड़ताल का हिस्सा बनेंगे। यूनियन नेताओं का साफ कहना है कि त्योहारों और छुट्टियों पर इन कंपनियों का मुनाफा चरम पर होता है। इसके बावजूद उनके फायदे के मुख्य स्तंभ यानी डिलीवरी वर्कर्स की हालत बदतर है। बार-बार की जा रही इन हड़तालों का उद्देश्य प्लेटफॉर्म कंपनियों पर दबाव बनाना है ताकि वे काम की शर्तों में सुधार करें।

काम के बदले नहीं मिलता उचित मेहनताना, असुरक्षित भविष्य और 10 मिनट डिलीवरी से दांव पर रहती है जान

जोखिम हमारा, फायदा उनका

यूनियनों ने इस विवाद की जड़ 'एल्गोरिदम कंट्रोल' को बताया है। उनका आरोप है कि ऐप आधारित सिस्टम बिना किसी पारदर्शिता के उनके वेतन, टारगेट और इंसेंटिव तय करते हैं। वर्कर्स का कहना है कि जोखिम सारा उनका है। वहीं, नियम और शर्तें कंपनियां अपनी मर्जी से जब चाहे बदल देती हैं। अक्सर बिना किसी स्पष्टीकरण के उनकी वर्क आईडी ब्लॉक कर दी जाती है। पेमेंट विफल होने या गलत रूट मिलने जैसी समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं होता। यह डिजिटल सिस्टम श्रमिकों के लिए अनिश्चितता का पर्याय बन गया है।

असुरक्षित रहता है भविष्य

रिपोर्ट के अनुसार, जहां एक ओर अल्ट्रा-फास्ट डिलीवरी की मांग बढ़ रही है। वहीं, दूसरी ओर वर्कर्स की वास्तविक आय में लगातार गिरावट आ रही है। लंबे काम के घंटे, भारी ट्रैफिक और कड़ी डेडलाइंस के बीच काम करने के बावजूद इन कर्मचारियों को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिलती हैं। यूनियनों का दावा है कि डिलीवरी पार्टनर्स अब जीवनयापन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इनके पास न तो उचित स्वास्थ्य बीमा है और न ही भविष्य के लिए कोई पेंशन या सामाजिक सुरक्षा का प्रावधान।

जान की कीमत पर चलता बिजनेस मॉडल

हड़ताल की प्रमुख मांगों में से एक '10-मिनट डिलीवरी' जैसे अल्ट्रा-फास्ट मॉडल को बंद करना है। वर्कर्स का तर्क है कि ग्राहकों की चंद मिनटों की सुविधा के लिए उनकी जान दांव पर लगाई जा रही है। यूनियनों का कहना है कि किसी भी कंपनी का बिजनेस मॉडल वर्कर्स की सेहत और उनकी जिंदगी की कीमत पर नहीं चलना चाहिए। वे अब फिक्स्ड ब्रेक और इंश्योरेंस कवर की मांग पर अड़े हैं। साल के आखिरी दिन हड़ताल की घोषणा ने कंपनियों की टेंशन बढ़ा दी है। अगर सरकार और प्लेटफॉर्म कंपनियां एक प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र और बेहतर कल्याणकारी योजनाएं लागू नहीं करती हैं तो भविष्य में ये विरोध प्रदर्शन और उग्र हो सकते हैं। फिलहाल, 31 दिसंबर को होने वाली इस हड़ताल से बड़े शहरों में सप्लाई चेन प्रभावित होना तय माना जा रहा है।

न्यूज विंडो

रूस का कीव पर मिसाइल और ड्रोन हमला, बिजली गुल

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और घातक रूप लेता हुआ दिख रहा है। जहां एक बार फिर यूक्रेन की राजधानी कीव पर देर रात को बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला हुआ। शहर और आसपास के इलाकों में कई विस्फोटों की आवाज सुनी गई। यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच रविवार को फ्लोरिडा में होने वाली शांति बैठक की तैयारी चल रही थी।

बांग्लादेश में हिंसा के बीच सिंगर जेम्स का कॉन्सर्ट रद्द

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा के बीच मशहूर गायक जेम्स का कॉन्सर्ट रद कर दिया गया है। यह कार्यक्रम ढाका से करीब 120 किलोमीटर दूर फरीदपुर में आयोजित होना था। कलाकारों और सांस्कृतिक संस्थानों पर हो रहे हमलों के चलते आयोजकों ने कॉन्सर्ट रद करने का फैसला लिया। इस घटना में 25 छात्रों के घायल होने की खबर सामने आई है।

आज का कार्टून

नहीं सही टाइम पर नहीं आई ये ट्रेन.. इसे कल इस टाइम पर आना था.. आज पहुंची है!

ट्रक में घुसी बोलेरो, 2 की मौत

डीएफओ की सरकारी गाड़ी से बांधवगढ़ जा रहे थे परिजन

शहडोल, एजेंसी

पाली थाना क्षेत्र के घुनघुटी में देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। मदारी ढाबा के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से बोलेरो टकरा गई। इस हादसे में चालक सहित दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान बोलेरो चालक इजहार खान (32) निवासी मेढकी और एक युवती के रूप में हुई है। युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि युवती ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि मृत युवती शहडोल डीएफओ श्रद्धा पेंद्रो के परिवार की सदस्य थी। ये सभी डीएफओ की सरकारी गाड़ी से पर्यटन के लिए जा रहे थे। घायलों में श्रेया मर्सकोले (20), भानुशी मरावी (20), जूही बनर्जी (22), साक्षी मर्सकोले (22) और मीनाक्षी मर्सकोले (26) शामिल हैं। सभी घायलों को

गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, बोलेरो नरसरहा डिपो से बांधवगढ़ की ओर जा रही थी। वाहन में सवार सभी लोग शहडोल डीएफओ श्रद्धा पेंद्रो के पारिवारिक सदस्य बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वे नरसरहा डिपो स्थित शासकीय आवास पर भोजन करने के बाद एक निकले थे। एंबुलेंस की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

बीईओ कार्यालय में 1.57 करोड़ का गबन

इंदौर, एजेंसी

इंदौर ब्लाक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कार्यालय में करोड़ों रुपये के गबन का मामला सामने आया है। यहां पदस्थ कर्मचारियों ने सरकारी योजनाओं के तहत आने वाली राशि को अपने परिचितों और रिश्तेदारों के बैंक खातों में ट्रांसफर कराया और बाद में उसे निकाल लिया। यह राशि 1.57 करोड़ रुपये बताई गई है। यह गड़बड़ी वर्ष 2018 से 2025 के बीच की है। अनुदान, छात्रवृत्त और जीपीएफ मद में प्राप्त होने वाली राशि का दुरुपयोग किया गया। इस मामले का राजफाश भोपाल स्थित आइटी सेल ने किया, जहां खातों में संदिग्ध लेन-देन पकड़ा गया।

विधानसभा में बदसलूकी, पहले भी पुलिस ने पीटा था

पाक में खैबर-पख्तूनख्वा के सीएम के साथ फिर मारपीट

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी के साथ सुरक्षाकर्मियों ने मारपीट की। उनके प्रतिनिधियों के साथ भी बदसलूकी की गई। घटना का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि मुख्यमंत्री अफरीदी अपने प्रतिनिधियों के साथ पंजाब असेंबली में घुस रहे हैं, इस दौरान सुरक्षाकर्मी उन्हें रोकने की कोशिश करते हैं, तभी उनके साथी फतेह उल्लाह बुर्की बीच में आ जाते हैं।इसके बाद अफरीदी ने बयान जारी कर कहाकि कोई भी लोकतांत्रिक सरकार ऐसा काम नहीं करती है, यह सीधे-सीधे मार्शल लॉ जैसा व्यवहार है। पाकिस्तान में लोकतंत्र खतरे में है। गार्ड अफरीदी के प्रतिनिधि बुर्की के साथ मारपीट करते हैं और उन्हें धक्का देकर विधानसभा से बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। हालांकि, अन्य अधिकारियों के बचाव में आने के बाद बुर्की को छोड़ दिया जाता है। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक इस दौरान किसी को कोई चोट नहीं आई है। पाकिस्तान के पंजाब में मुस्लिम लीग नून की सरकार है और नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज मुख्यमंत्री हैं।

मेट्रो एंकर | बागपत की खाप पंचायत का फरमान... बताया सांस्कृतिक मूल्यों की सुरक्षा के लिए जरूरी

स्मार्टफोन बैन, हाफ-पैंट नहीं पहन सकेंगे लड़के-लड़कियां

बागपत, एजेंसी

यूपी के बागपत जिले की खाप पंचायत ने एक नया फरमान सुनाया है जिसके तहत किशोरों के लिए स्मार्टफोन और लड़के -लड़कियों के लिए हाफ-पैंट पर पाबंदी लगा दी गई है। पंचायत ने इसे पश्चिमी प्रभाव और सांस्कृतिक मूल्यों की सुरक्षा के लिए जरूरी बताया है। साथ ही, शादियों के लिए भी नई गाइडलाइन लागू कर दी हैं।

पंचायत की गाइडलाइन के मुताबिक विवाह समारोह केवल गांव या घर में आयोजित होंगे, मैरिज हॉल में नहीं। इसके अलावा गेस्ट की लिस्ट सीमित होगी और खर्च नियंत्रित रखा जाएगा। अब शादी के निमंत्रण व्हाट्सएप के माध्यम से भेजे जाएंगे। वहीं, 18 से 20 साल से

कम उम्र के किशोरों के लिए स्मार्टफोन का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए हाफ-पैंट पर रोक होगी। पंचायत का कहना है कि यह कदम पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देने और अवांछित प्रथाओं को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।

पड़ सकती हैं गलत आदतें

खाप सदस्य चौधरी ब्रजपाल सिंह ने कहा, समाज का निर्णय सर्वोपरि है। बच्चों को परिवार और बुजुर्गों के साथ बैठकर उचित शिक्षा और सामाजिक मार्गदर्शन मिलना चाहिए। 18-20 साल के लड़कों को फोन की ज़रूरत नहीं है। इस फैसले को बढ़ावा देने के लिए गांवों में जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। वहीं, दगड़ खाप के चौधरी ओमपाल सिंह ने कहा, लड़कियों को मोबाइल देने से गलत आदतें पड़ सकती हैं। यही नियम लड़कों पर भी लागू होगा। फोन केवल घर में ही रखा जाना चाहिए।

प्रदेश में चलेगा अभियान

स्थानीय निवासी नरेश पाल ने कहा, यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। मोबाइल पर नियंत्रण करना जरूरी है। यह फैसला समय पर और उचित है। पंचायत ने यह निर्णय पूरे उत्तर प्रदेश में लागू करने और अन्य खापों के साथ समन्वय कर राज्यव्यापी अभियान चलाने का भी फैसला किया है। इस कदम के माध्यम से पंचायत पारंपरिक मूल्यों और सामाजिक अनुशासन को बढ़ाने की योजना है। गौरतलब है कि खाप ने पूरे प्रदेश में अभियान की योजना बनाई है, लेकिन अभी युवाओं की प्रतिक्रिया आना बाकी है।

टिंबर मार्केट में डेढ़ महीने में दूसरा बड़ा हादसा

50 फीट तक उठीं लपटें, रेलवे ट्रैक के पास घंटों चला रेस्क्यू, 4 घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पुल पात्रा स्थित टिंबर मार्केट में शनिवार तड़के पौने 3 बजे आग लग गई। आग सबसे पहले एक फर्नीचर दुकान में लगी, जो बढ़कर आरा मशीन तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने फर्नीचर-आरा मशीन समेत तीन जगहों अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाने के दौरान आरा मशीन की दीवार गिर गई। जिससे 2 कर्मचारियों समेत समेत 4 लोग घायल हो गए। चारों को फौरन अस्पताल ले जाया गया। भोपाल डेकोरेशन और आरा मशीन अंजुम भाई की बताई जा रही है। जिस जगह आग लगी उसके ठीक पीछे रेलवे ट्रैक है। नगर निगम के बैरागढ़, फतेहगढ़, कबाड़खाना, माता मंदिर, कोलार फायर स्टेशन के अलावा भेल, पुलिस के 22 दमकल वाहन आग बुझाने में जुटे रहे। करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। टिंबर मार्केट में डेढ़ महीना पहले भी आग लगी थी।

लोहे की टिन तक पिघल गई

भोपाल डेकोरेटर शोरूम मेन रोड पर ही है। इससे सटी हुई आरा मशीन है। तड़के 2.45 बजे सबसे पहले शोरूम में आग लगी और देखते ही देखते आरा मशीन को चपेट में ले लिया। शुरुआती एक घंटे तक आग इतनी भीषण थी कि लोहे की टिन तक पिघल गई। धीरे-धीरे आग पिछले हिस्से तक पहुंच गई। इस वजह से आग बुझाने में 4 घंटे से ज्यादा समय लग गया। आग लगने का कारण अभी तक सामने नहीं आया है। हालांकि, इलाके के कुछ लोग आशंका जता रहे हैं कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी। आग के कारण पात्रा पुल की तरफ आने वाली मुख्य सड़क को भारत टॉकीज और बोगदा पुल के पास से बंद कर दिया गया था। साथ ही इलाके की बिजली भी बंद कर दी गई थी। दोनों ओर पुलिसकर्मी तैनात रहे। इससे पहले 9 नवंबर को भी इसी टिंबर मार्केट में आग लगी थी। एक टॉल में लगी इस आग ने 5 से 6 टाल को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि काफी दूर से ही लपटें नजर आ रही थी और धुएं के गुबार नजर आ रहे थे। दमकल की करीब 40 गाड़ियां मौके पर पहुंची। टीम ने करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि इसके बाद भी आग धधकती रही। कई जगहों पर धुआं उठता नजर आया। जिसे दमकलकर्मियों ने देर रात तक पूरी तरह बुझा लिया।

आग बुझाने में लगे कर्मचारी, अचानक गिर गई दीवार

आरा मशीन के मुख्य गेट से आग बुझाने का काम चल रहा था। इसमें आरा मशीन के कर्मचारी और राहगीर भी जुटे हुए थे। तभी अचानक आरा मशीन के मुख्य गेट पर पक्की दीवार गिर गई। इस वजह से जावेद, जुनैद समेत चार लोग घायल हो गए। उन्हें तुरंत पहले प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया। जहां से हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग की लपटें 50 फीट तक ऊपर उठ गईं। धुआं कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आसपास की आरा मशीनें भी चपेट में आ सकती थीं।

इधर आग लगी, उधर 50 मीटर दूर गुजरती रही ट्रेनें

खास बात ये है कि जिस जगह आग लगी वो रेलवे ट्रैक से लगी है। रेलवे ट्रैक यहां के बमुश्किल 50 मीटर की दूरी पर ही है। ऐसे में आग लगने के दौरान यहां से कई ट्रेनें गुजरीं। हालांकि, इससे रेल यातायात प्रभावित नहीं हुआ। बता दें इससे पहले भी यहां आग लग चुकी है, लेकिन जिम्मेदारों ने इससे कोई सबक नहीं लिया।

डेढ़ साल से कवायद, टिंबर मार्केट शिफ्ट नहीं हो सका

भोपाल शहर के बीचों-बीच टिंबर मार्केट न सिर्फ मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट के लिए बड़ी अड़चन बना है, बल्कि बारूद के ढेर जैसा है। इसकी शिफ्टिंग के लिए डेढ़ साल से कवायद हो रही है। 18 एकड़ जमीन और 5.85 करोड़ भी दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक टिंबर मार्केट शिफ्ट नहीं हो सका है। पात्रा पुल इलाके में स्थित इसी 108 आरा मशीनों वाले टिंबर मार्केट में दो महीने बाद फिर शनिवार सुबह आग लगी।

व्यापमं घोटाला...

फर्जी आधार कार्ड बनाकर दूसरे को परीक्षा देने भेजा, आरोपी को 5 साल की जेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

व्यापमं घोटाले के आरोपी सुनील कुमार को विशेष न्यायाधीश (व्यापमं प्रकरण) प्रवीण पटेल ने 5 साल की सजा सुनाई है। साथ ही 4 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। आरोपी सुनील ने अपनी जगह पर सह आरोपी अर्जुन को पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में भेजा था। सुनील ने फर्जी आधार कार्ड तैयार किया था। सह आरोपी अर्जुन मामले में फरार चल रहा है।

घटना 6 अगस्त 2016 की निशातपुरा थाना क्षेत्र की है। आरपीएफ में रिटायर्ड असिस्टेंट कमांडर ने थाने में शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि वो टूबा कॉलेज करोंद में सेंटर इंचार्ज का काम देख रहे थे। यहां व्यापमं की ओर से आयोजित पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2016 चल रही थी। आगरा उत्तर प्रदेश का रहने वाला सुनील भी परीक्षा देने पहुंचा था। उसने अपना रजिस्ट्रेशन खुद करवाया। इसके बाद उसे लैब नंबर 3 में सीट नंबर 116 दी गई। इसके बाद आरोपी सुनील बहाना करके गेट के बाहर चला गया और अपनी जगह अर्जुन को परीक्षा देने अंदर भेजा। जब अर्जुन अंदर जाने लगा तो गार्ड ने उसे रोक लिया। एडमिट कार्ड और आधार कार्ड की फोटो अलग अलग होने से अर्जुन को परीक्षा केंद्र के अधीक्षक के पास लेकर जाया गया। यहां उसने फर्जी तरीके से परीक्षा में शामिल होना कबूल किया। अर्जुन ने पूछताछ में बताया था कि सुनील ने परीक्षा केंद्र में जाकर अपना एडमिट कार्ड चेक कराकर रजिस्ट्रेशन कराया। बाद में बाहर आया और उसे अपनी जगह परीक्षा देने एडमिट कार्ड देकर अंदर भेजा। सुनील ने अपने आधार कार्ड पर उसकी फोटो स्कैन कर फर्जी आधार कार्ड तैयार कर पहचान के लिए दिया था। व्यापमं घोटाला 2009 में शुरू हुआ था। इसका खुलासा बड़े स्तर पर साल 2013 में हुआ था। जांच में सबसे पहले पुलिस और मेडिकल परीक्षाओं में गड़बड़ी पाई गई थी। जांच में सामने आया था कि इन परीक्षाओं में पैसे लेकर नकल कराई जाती थी। ओएमआर शीट बदलना, रोल नंबर और सीट बदलना, फर्जी आधार और एडमिट कार्ड का इस्तेमाल किया जाता था। सबसे पहले जांच एसटीएफ को सौंपी गई थी। बाद में इसे सीबीआई को सौंपा गया।

काल भैरव मंदिर में 32वें संत सम्मेलन की शुरुआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कैलाश दास पंडा बाबा के नेतृत्व में नॉनस्टॉप सीताराम पाठ जारी

भोपाल। काल भैरव मंदिर प्रांगण में आज से 32वां संत सम्मेलन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में प्रारंभ हुआ। सम्मेलन का आयोजन संत परंपरा के वरिष्ठ मार्गदर्शक कैलाश दास पंडा बाबा के नेतृत्व में किया जा रहा है। सम्मेलन के पहले दिन से ही सीताराम नाम का नॉनस्टॉप पाठ प्रारंभ किया गया, जो निरंतर चल रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यकारी दीपक महाराज द्वारा पूजा-अर्चना कर की गई। दीपक महाराज ने काल भैरव भगवान से समाज में शांति, सद्भाव और धर्म की मजबूती के लिए प्रार्थना की। कैलाश दास पंडा बाबा ने अपने उद्बोधन में कहा कि संत सम्मेलन का उद्देश्य सनातन संस्कृति, भक्ति और मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सीताराम नाम का जाप आत्मशुद्धि और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। सम्मेलन में विभिन्न स्थानों से आए संत-महात्मा, श्रद्धालु एवं भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे मंदिर परिसर में भजन, कीर्तन और जयघोष से आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है। संत सम्मेलन आगामी दिनों तक विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ जारी रहेगा।

नाटक 'अटल स्वप्न' का मंचन

संवादों से अटल जी के विचारों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में सहयोग वेलफेयर सोसाइटी ने भारत सरकार के संस्कृति विभाग के सहयोग से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर दो दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन किया गया। आयोजन केरियर कॉलेज के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नाटक अटल स्वप्न रहा। रंगक्षितिज थियेटर एंड वेलफेयर सोसाइटी ने इसका प्रभावशाली मंचन किया। नाटक में अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन संघर्ष विचार और राष्ट्र के प्रति समर्पण को मंच पर उतारा गया। नाटक का लेखन और निर्देशन रीना बिष्ट ने किया। मंचन में अटल जी की भूमिका प्रेम प्रकाश अष्ठाना ने निभाई। उनके सशक्त अभिनय संवाद और भाव अभिव्यक्ति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कीर्ति बौरा और सतीश रे का अभिनय भी सराहा गया। नाटक का गीत संगीत सतीश रे ने तैयार किया। संगीत ने मंचन की गरिमा को और ऊंचाई दी। दृश्य और संवादों के साथ संगीत ने अटल जी के विचारों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान सभागार में देशभक्ति का माहौल बना रहा। नाटक के समापन पर अटल बिहारी वाजपेयी के नारों से सभागार गूंज उठा। बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। यह आयोजन अटल जी के विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण करने का प्रेरक प्रयास साबित हुआ।

राष्ट्रीय सिंधी मंच में हुई नियुक्तियां गगवानी, रायचंदानी को पद मिले

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय सिंधी मंच ने नई नियुक्तियां की हैं। मंच के संस्थापक अध्यक्ष रोशन लाल उतवानी ने हीरानन्द गनवानी को राष्ट्रीय सलाहकार समिति में, कमलेश रायचन्दानी को राष्ट्रीय कोर कमेटी और कैलाश शर्मा को मध्यप्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष एवं वासु जेठानी को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है नियुक्तियों का ऐलान एक कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारिता के लिए ममता गनवानी और सीए बनने पर नीलिमा मंगलानी का शाल और पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया । मंच अध्यक्ष रोशनलाल उतवानी ने संगठन के कार्यों को तथा आने वाले समय में होने वाले आयोजनों की जानकारी दी। कमलेश राचंदानी ने कहा कि समाज में एकता लाने की जरूरत है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य रवि जेसवानी, दर्शन कुकरेजा, सलाहकार, मुकेश हासानी ओर पत्रकार सुरेश जसवानी, महेश गुरुबानी, रवि जेसवानी, जोनी कुमार मूलचंदानी, शमी गंगवानी ,भरत जेठानी, अशोक गनवानी, ओ. पी. पोहनी, मुकेश हँसानी, जीतेन्द्र वरयानि, अर्जुन मांगलानी, सनी वर्णदानी आदि मौजूद रहे ।

एम्स को ग्रुप 'बी' अस्पतालों की श्रेणी में किया सम्मानित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल एम्स को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश के प्रतिष्ठित केंद्रीय सरकारी अस्पतालों और संस्थानों को कायाकल्प प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए कुल 9।57 करोड़ की राशि दी गई है। एम्स को स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत दो करोड़ रुपये का कायाकल्प पुरस्कार मिला है. यह राशि स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा गुणवत्तापूर्ण रोगी-सेवा के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को प्रदान की गई है। ग्रुप 'ए' अस्पतालों और संस्थानों में सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली को 3 करोड़ रुपये, एम्स नई दिल्ली को 1.50 करोड़ रुपये, जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुदुच्चेरी तथा डॉ। राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली को 40-40 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो डॉ. माधवानन्द कर ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान अस्पताल के प्रत्येक सदस्य के सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने संस्थान की इस सफलता में योगदान देने वाले एम्स भोपाल के पूरे परिवार को यह पुरस्कार समर्पित किया। ग्रुप 'बी' अस्पतालों और संस्थानों में एम्स भोपाल को 2 करोड़ रुपये, एम्स जोधपुर को 1 करोड़ रुपये, विनोबा भावे सिविल अस्पताल, सिलवासा को 31.75 लाख रुपये, एम्स भुवनेश्वर को 31.75 लाख रुपये, एम्स पटना को 31.75 लाख रुपये तथा एम्स रायपुर को 31.75 लाख की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

मेट्रो एंकर

साहिबजादों के बलिदान को विद्यार्थियों ने याद किया

हर घर के बच्चों को वीर बाल दिवस के बारे में बताना है: रामेश्वर

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में वीर बाल वीर दिवस पर चार साहिबजादों को बलिदान को याद किया गया। विद्यार्थियों को अतिथियों ने बाल वीर चार साहिबजादों के जीवन से अवगत कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा थे, जबकि विशेष अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामबंसल। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सनातन धर्म एवं अपने धर्म की रक्षा करनें के लिए भी प्रेरित किया जाता है। जिससे वे अपने राष्ट्रीय एवं धर्म की रक्षा के लिए हमेषा तैयार रहें। विधायक शर्मा ने कहा कि आज हमने श्री गुरूगोबिन्द सिंह के बलिदान को हमें हमेशा याद रखना है, धर्म के मार्ग पर चलते रहना है और जो धर्म के मार्ग पर चल रहा है, उनके उपदेशों को सदैव याद रखना है। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि इस साल पहली बार हमारे विद्यालय में वीर बाल दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, चार साहिबजादों के साथ हुई घटना के बारे में कल्पना करके ही हमारी रूह काँप जाती है, जो उन वीर बालकों के साथ हुआ हमें उन वीर बालकों की वीरता से सीखना चाहिए की धर्म की खातिर यदि जान भी चली जाए तो हमें नहीं घबराना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, कोर्डिनेटर श्रीमती सीमा शर्मा, मोन्टेसरी इन्चार्ज प्रियांषी आडवानी, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थियों द्वारा चार साहिबजादों के छायाचित्र पर पुष्पाजंलि आर्पित की गई। कार्यक्रम के अंत में संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव द्वारा चार साहिबजादों को नमन करते हुए आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

साहिबजादों की शहादत को याद किया गया नवनिध में

नवनिध स्कूल में वीर बाल दिवस मनाया गया। विशेष प्रार्थना सभा में एक प्रेरणादायक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के वीर सुपुत्रों की अमर शहादत को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं- परख जैन ,नित्या दासवानी और दिव्यांशी वाधवानी ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि चारों साहिबज़ादों तथा गुरु परिवार का बलिदान भारतीय इतिहास की एक अद्वितीय मिसाल है। अपने चारों बेटों की शहादत के पश्चात भी श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का धर्म और सत्य के मार्ग से विचलित न होना यह सिद्ध करता है कि यह कोई साधारण बलिदान नहीं, बल्कि पूरे परिवार द्वारा मानवता, धर्म और सत्य के लिए दिया गया सर्वोच्च त्याग था ।

निर्मला देवी के नेत्र सेवासदन को मिले, प्रत्यारोपित होंगे

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भोपाल निवासी श्रीमती निर्मला देवी राजदेव का देहावसान गुरूवार को हो गया था। दिवंगत प्राणी के बेटे महेश राजदेव ने अपनी माता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं । दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2,286 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

मुख्य मंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोजपाल मेले में मालवा क्षेत्र के लोकप्रिय व्यंजन गराडू का लुत्फ उठाया।

सीएम के निर्देश- धार्मिक स्थलों पर बिकें हस्तशिल्प से निर्मित वस्त्र

इंदौर की तर्ज पर आयोजित हों साड़ी वॉकथान जिलों तक लेकर जाएंगे प्रदेश के कुटीर उत्पाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि साड़ी पहनने की परम्परा को और मजबूती देने के लिए इंदौर की तर्ज पर साड़ी वॉकथान प्रदेश के अन्य जिलों में भी होना चाहिए। मृगनयनी तथा कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के अन्य ब्राण्ड के विक्रय केन्द्रों का विस्तार जिला स्तर तक किया जाए। इनसे स्वसहायता समूह, लाडली बहनों को जोड़ें और इन ब्रांडों की फ्रेंचाइजी निजी उद्यमियों दी जाए।

लाड़ली बहनों को लूम तथा चरखे उपलब्ध कराकर उत्पादन के लिए चयनित जिलों में पॉयलट प्रोजेक्ट शुरू हों। इस गतिविधि में निजी पहल को भी प्रोत्साहित किया जाए। समत्व भवन में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हस्तशिल्प उत्पादों को प्रदेश के प्रमुख धार्मिक केन्द्रों तथा धार्मिक लोक में बेचने के लिए प्रदर्शित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने साड़ी पहनने की परम्परा को प्रोत्साहित करने के लिए इंदौर में हुए साड़ी वॉकथान जैसे आयोजन प्रदेश के अन्य शहरों में करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिथियों को भेंट करने के लिए प्रदेश के हेरिटेज महेश्वरी स्टोल का चयन किया गया है। विभाग द्वारा यह स्टोल विशेष रूप से गोंड पेंटिंग और बेलमेटल से सुसज्जित लकड़ी के बॉक्स में प्रदाय किए जा रहे हैं। इन स्टोल की मांग विदेशी दूतावासों से भी प्राप्त हुई है।

बैठक में सीएम को दी गईं जानकारियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हस्तशिल्प और हैण्डलूम से जुड़े विभाग के ब्राण्ड- मृगनयनी, विंध्या वैली, कबीरा और प्राकृत के उत्पाद मध्यप्रदेश पर्यटन की इकाइयों और प्रदेश के प्रमुख धार्मिक केन्द्रों तथा लोकों में विक्रय के लिए आकर्षक रूप से प्रदर्शित किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने साड़ी पहनने की गौरवशाली परम्परा को प्रोत्साहित करने के लिए इंदौर में हुए साड़ी वॉकथान जैसे आयोजन प्रदेश के अन्य शहरों में करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेशम उत्पादन गतिविधियों का प्रदेश के अन्य जिलों में विस्तार करने तथा इस गतिविधि में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न प्रकार के उत्पादों के जीआई टैग प्राप्त की जानकारी का संकलन एकीकृत रूप से किया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिथियों को भेंट करने के लिए प्रदेश के हेरिटेज महेश्वरी स्टोल का चयन किया गया है। विभाग द्वारा यह स्टोल विशेष रूप से गोंड पेंटिंग और बेलमेटल से सुसज्जित लकड़ी के बॉक्स में प्रदाय किए जा रहे हैं। इन स्टोल की मांग विदेशी दूतावासों से भी प्राप्त हुई है।

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार माँ अहिल्यादेवी की 300वीं जयंती के उपलक्ष में महेश्वर के किले पर उकरे गए डिजाइन के अनुसार मां अहिल्यादेवी को समर्पित 52 डिजाइन की साड़ियां तैयार कराई जा रही हैं। रेशम समृद्धि योजना का विस्तार प्रदेश के सभी जिलों में किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि इंदौर में 7 मार्च को आयोजित साड़ी वॉकथान में 27 हजार महिलाओं द्वारा भागीदारी की गई।

आगामी तीन वर्ष की कार्ययोजना

- ग्वालियर तेलघानी केन्द्र का उन्नयन कर, वहां उत्पादन बढ़ाना।
- उज्जैन, देवास, सागर, महेश्वर और बुरहानपुर में स्फूर्ति योजना में खादी वस्त्र उत्पादन, प्रोसेस कार्य, चर्म सामग्री निर्माण का विस्तार करना।
- भोपाल में बुटिक एवं ब्लॉक प्रिंट, जरी-जरदोजी, सिलाई और माटीकला पर केन्द्रित सामान्य सुविधा केन्द्र की स्थापना।
- बुनकरों के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफार्म उपलब्ध कराना।
- एक हजार बुनकरों को डिजाईन विकास, मार्केट लिंकेज आदि में सहायता।
- 1700 बुनकरों को प्रशिक्षण तथा 800 बुनकरों को उन्नत उपकरण उपलब्ध कराना।
- प्रदेश के भीतर और बाहर प्रमुख महानगरों में 270 मेलों/प्रदर्शनियों का आयोजन कर बुनकरों और शिल्पियों को मार्केट उपलब्ध कराना।
- खादी वस्त्र उत्पादन क्षमता को दुगना करना।
- देवास के ग्राम बालगढ़ में 15 करोड़ की लागत से पोनी प्लांट की स्थापना।
- जबलपुर में खादी ग्रामोद्योग एम्पोरियम का नवीनीकरण।
- भोपाल में चित्तोड़ काम्पलेक्स एमपी नगर में खादी मॉल का निर्माण।
- उज्जैन में खादी एम्पोरियम का संचालन।
- एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत सामग्री के प्रचार-प्रसार और ब्रांडिंग को बढ़ाना।
- खादी वस्त्र उत्पादन कार्य में वृद्धि करना तथा 8 हजार नवीन रोजगार के अवसरों का सृजन।
- लूम और चरखे पर आधारित गतिविधियों को उज्जैन तथा अनूपपुर जिले में पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में लेना।
- मिट्टी की मूर्तियों और टेराकोटा के प्रशिक्षण आयोजित करना।
- माटीकला को प्रोत्साहन के लिए गतिविधियां संचालित करना।

प्रदेश के स्कूलों में सर्दियों की छुट्टियों का एलान

31 दिसंबर से 4 जनवरी तक रहेगा शीत अवकाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए शीतकालीन अवकाश को लेकर बड़ी और स्पष्ट जानकारी सामने आई है। राज्य शासन के निर्देशों के अनुसार इस वर्ष प्रदेश भर के सरकारी और निजी स्कूलों में 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश रहेगा। यह अवकाश सभी बोर्डों से संबद्ध स्कूलों पर लागू होगा, जिससे छुट्टियों को लेकर चल रही असमंजस की स्थिति अब समाप्त हो गई है।

शासन के निर्देशों के अनुसार ही होगी छुट्टी- इस बार राज्य सरकार ने शीतकालीन अवकाश को लेकर सख्ती बरती है और साफ निर्देश दिए हैं कि सभी स्कूल शासन द्वारा घोषित तिथियों का ही पालन करेंगे। इसी कारण मिशनरी स्कूलों सहित कई निजी स्कूलों ने अपने पुराने नियमों में बदलाव किया है और अब अवकाश की अवधि शासन के आदेश के अनुरूप रखी गई है।

मिशनरी स्कूलों ने बदला पुराना पैटर्न- दरअसल, प्रदेश में CBSE से संबद्ध स्कूलों में मिशनरी संस्थानों की संख्या अधिक है। बीते वर्षों में अधिकांश मिशनरी और सीबीएसई स्कूलों में शीतकालीन अवकाश 23 दिसंबर से 2 जनवरी तक घोषित कर दिया जाता था, जो कि शासन द्वारा निर्धारित छुट्टियों से अलग था। लेकिन इस बार शिक्षा विभाग की सख्ती और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के चलते मिशनरी स्कूलों ने भी अपने पुराने लंबे अवकाश के नियम को बदल दिया है और शासन की घोषित तारीखों के अनुसार ही छुट्टी देने का निर्णय लिया है।

पांच दिन की छुट्टियों का मिलेगा लाभ

राजधानी भोपाल सहित पूरे प्रदेश में एमपी बोर्ड से संबद्ध स्कूलों और सभी सरकारी स्कूलों में 31 दिसंबर से 3 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश रहेगा। इसके अलावा 4 जनवरी रविवार होने के कारण सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इस तरह छात्रों को लगातार पांच दिनों की छुट्टी का लाभ मिलेगा। शीतकालीन अवकाश समाप्त होने के बाद प्रदेश के सभी स्कूल 5 जनवरी से दोबारा नियमित रूप से खुलेंगे। शिक्षण कार्य पूर्व निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार शुरू होगा।

अभिभावकों और छात्रों को राहत

एक समान अवकाश व्यवस्था लागू होने से अभिभावकों और छात्रों दोनों को राहत मिली है। अब अलग-अलग बोर्डों और स्कूलों की छुट्टियों को लेकर भ्रम की स्थिति नहीं रहेगी। शिक्षा विभाग का मानना है कि इससे शैक्षणिक कैलेंडर में भी अनुशासन बना रहेगा और पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। कुल मिलाकर, इस बार शीतकालीन अवकाश को लेकर शासन का रुख साफ है सभी स्कूलों के लिए एक समान नियम और एक समान तारीखें।

संगठन को मजबूती देने कांग्रेस का रोडमैप तैयार

15 जनवरी तक पंचायत-वार्ड में बनाई जाएगी टीम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूती देने और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का रोडमैप तय कर लिया है। संगठन सृजन अभियान का तीसरा चरण प्रदेश में 1 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक चलेगा, जिसमें मंडल, पंचायत और वार्ड समितियों का गठन किया जाएगा। इसके बाद प्रदेशव्यापी 'गांव चलो-बूथ चलो' संपर्क अभियान शुरू किया जाएगा। यह निर्णय प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया।

बैठक में तय किया गया कि गांव चलो-बूथ चलो अभियान के तहत गांव से कार्यकर्ता बूथ तक पहुंचेंगे। बूथ से मंडल, मंडल से ब्लॉक और ब्लॉक से जिला स्तर तक संगठनात्मक संवाद किया जाएगा। इस दौरान पार्टी के कार्यक्रमों के साथ-साथ भाजपा सरकार की असफलताओं को तथ्यों के साथ जनता के सामने रखा जाएगा। यह अभियान हर छह माह में नियमित रूप से चलाया जाएगा। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने बैठक में कहा- ÷हमने 65 हजार बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए हैं, अगर उन्हें बुलाएंगे तो क्या वे आएंगे?÷ सूत्रों के मुताबिक उनका आशय यह था कि नियुक्तियां वास्तविक और सक्रिय हैं या नहीं। संगठन पदाधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि पूरा रिकॉर्ड मौजूद है और बुलाने पर सभी बीएलए सक्रिय रहेंगे।

दिग्विजय ने रखी गांव-गांव संपर्क की रूपरेखा

बैठक में दिग्विजय सिंह ने गांव-गांव चलाए जाने वाले संपर्क कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आमजन से सीधा संवाद बढ़ाना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि कार्यकर्ता बूथ तक जाएं। रात्रि विश्राम गांवों में करें। लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनें। भाजपा सरकार की नीतिगत और प्रशासनिक विफलताओं को तथ्यों के साथ रखें। इस प्रस्ताव पर बैठक में सर्वसम्मति बनी।

22 तक दावा-आपत्ति में उतरेगा पूरा संगठन

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर दिल्ली और प्रदेश कांग्रेस की टीम ने प्रस्तुतीकरण दिया। तय किया गया कि 22 जनवरी तक चलने वाली दावा-आपत्ति प्रक्रिया में वरिष्ठ नेताओं से लेकर कार्यकर्ता तक मैदान में उतरेंगे, हर मतदाता तक पहुंचकर यह जांच की जाएगी कि नाम सही हटाया गया या गलत।

लंबी कतारों से अन्नदाताओं को मिलेगी मुक्ति

जबलपुर सहित तीन जिलों में पायलट प्रोजेक्ट रहा सफल

ई-टोकन से किसानों को घर बैठे मिली खाद, जनवरी से प्रदेशभर में होगी लागू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

किसानों को रसायनिक खाद वितरण में आ रही समस्याओं को दूर करने के लिए कृषि विभाग ने लगातार अनेक उपाय किए पर सफलता नहीं मिली। वितरण केंद्रों में खाद पाने किसानों की कतार लंबी होती गई। स्थाई समाधान की दिशा में कार्य करते हुए शासन ने एक अक्टूबर 2025 से खाद वितरण की नई व्यवस्था 'ई-टोकन' का प्रयोग किया। इसके बेहतर परिणाम सामने आए। किसानों से प्राप्त फीडबैक के बाद यह व्यवस्था अब एक जनवरी 2026 से प्रदेशभर में लागू की जा रही है।

जबलपुर, विदिशा और शाजापुर जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत ई-टोकन व्यवस्था शुरू की गई थी। योजना का फायदा यह रहा कि खाद लेने के लिए किसानों को न तो कतार में खड़ा होना पड़ा, न ही दस्तावेज लेकर भटकने

की जरूरत पड़ी। उन्होंने अपने मोबाइल या कंप्यूटर से ई-टोकन पोर्टल पर वांछित जानकारी दर्ज की, जिसके साथ ही तय मात्रा में खाद बुक हो गई। उसके बाद किसानों ने अपनी सुविधा के मुताबिक वितरण केंद्र से खाद प्राप्त कर ली। विभाग ने खाद को घर तक पहुंचाने की वैकल्पिक सुविधा भी दी है। जबलपुर में तीन माह के भीतर 40 हजार से अधिक किसानों ने ई-टोकन के माध्यम से लगभग 20 हजार 770 टन खाद ली।

कतार से राहत, समय की भी बचत

ई-टोकन व्यवस्था से किसान तय तारीख और समय पर केंद्र पहुंचकर आसानी से खाद ले सकेंगे। इससे न समय की बचत होगी, बल्कि वितरण केंद्रों पर भीड़ और अव्यवस्था पर नियंत्रण लगेगा। ई-टोकन के साथ-साथ किसानों के घर तक खाद पहुंचाने की सुविधा भी शुरू की गई है, लेकिन यह व्यवस्था किसानों को खास पसंद नहीं आई। जबलपुर जिले में अब तक केवल तीन किसान ही घर-घर खाद वितरण योजना से जुड़े हैं। अधिकांश किसानों का मानना है कि केंद्र से सीधे खाद लेना अधिक सुविधाजनक और भरोसेमंद है।

भोपाल एयरपोर्ट को दूसरी बार मिला देश में पहला स्थान, इस बार खजुराहो भी बराबरी पर

भोपाल। भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट ने राष्ट्रीय ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (कस्टमर सेटिस्फेक्शन सर्वे) में लगातार दूसरी बार नंबर एक का दर्जा प्राप्त किया है। देश के 58 हवाई अड्डों पर हुए सर्व में भोपाल अव्वल रहा है। प्रदेश के कम एयर ट्रैफिक वाले खजुराहो एयरपोर्ट को भी पहला स्थान मिला है। ग्वालियर छह एवं जबलपुर एयरपोर्ट सातवें स्थान पर रहा है। इस सर्वे में इंदौर शामिल नहीं था। भोपाल श्रेणी तीन हवाई अड्डा है, जहां यात्री संख्या 15 लाख से अधिक है एयरपोर्ट कांउसिल द्वारा निर्धारित सर्विस क्वालिटी मापदंडों को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट अथारिटी साल में दो बार सीएसआइ इंडेक्स जारी करती है। जुलाई से दिसंबर 2025 के बीच यात्रियों से सीधे बातचीत के आधार पर हुए सर्वे में भोपाल को लगभग हर पैरामीटर पर पूरे नंबर मिले हैं। ओवरआल रैंकिंग के लिए पांच में 4.99 नंबर मिले हैं। इसी आधार पर भोपाल और खजुराहो को नंबर एक दर्जा मिला है।

60 सीटों पर वोट चोरी का आरोप

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा- जिन विधानसभा सीटों पर भाजपा को एक लाख, पचास हजार या चालीस हजार वोटों से जीत मिली, उन्हीं सीटों पर सबसे ज्यादा नाम काटे गए। पटवारी ने दावा किया कि ऐसा करीब 60 विधानसभा सीटों पर हुआ, जिससे यह स्पष्ट होता है कि 2023 का चुनाव वोट चोरी के जरिए जीता गया। उन्होंने कहा कि न्यायालय जाने सहित सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है और कांग्रेस का हर कार्यकर्ता बीएलए के साथ मिलकर मतदाता सूची के सत्यापन में जुटेगा।

बोर्ड परीक्षा से पहले शिक्षकों का संकट, चुनाव ड्यूटी और सीसीएल से पढ़ाई प्रभावित

भोपाल। मध्यप्रदेश बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में अब महज डेढ़ महीने का समय बचा है। एक तरफ स्कूल शिक्षा विभाग सुपर-प्लान बनाकर रिजल्ट सुधारने का दावा कर रहा है। वहीं, दूसरी ओर जमीनी हकीकत यह है कि राजधानी समेत प्रदेश भर के सरकारी स्कूल शिक्षकों के अभाव में खाली पड़े हैं। प्रदेश के 20 हजार शिक्षक चुनावी कार्य में लगाए गए हैं। इधर, भोपाल की करीब 200 शिक्षिकाएं संतान पालन अवकाश पर चली गईं हैं, जिससे कई स्कूलों में पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है। वहीं, जिले के 400 शिक्षक चुनावी ड्यूटी में लगाए गए हैं, जिससे शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि स्कूल शिक्षा विभाग मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं का परिणाम बेहतर करने के लिए प्रयास कर रहा है।

मेट्रो एंकर

आईआरसीटीसी ने शुरू की ट्रेनों के खानपान मेन्यू में बदलाव की तैयारी

एमपी में पोहा-जलेबी और बिहार में लिट्टी-चोखा का स्वाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारतीय रेलवे नए साल में यात्रियों के सफर का स्वाद बदलने जा रहा है। अब ट्रेन में सफर के दौरान वही सीमित मेन्यू-दाल, चावल, रोटी या बिरयानी-खाकर ऊब चुके यात्रियों को राहत मिलने वाली है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) अपने अगले कैटरिंग टेंडर के जरिए ट्रेनों में 'रीजनल फूड' यानी क्षेत्रीय व्यंजन परोसने की योजना को लागू करने जा रहा है। इसका मतलब यह कि ट्रेन जिस राज्य या क्षेत्र से गुजरेगी, वहां के प्रसिद्ध स्थानीय व्यंजन यात्रियों की थाली तक पहुंचेंगे। रेलवे बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2026 के लिए प्रस्तावित नए टेंडर में इस योजना को प्राथमिकता दी जाएगी। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद चरणबद्ध तरीके से इसे प्रमुख ट्रेनों में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य

यात्रियों को बेहतर स्वाद, ताजा भोजन और सांस्कृतिक अनुभव देना है।

कहां क्या मिलेगा, रूट से जुड़ा होगा मेन्यू- नई व्यवस्था के तहत ट्रेन के रूट को ध्यान में रखते हुए खानपान तय किया जाएगा। मध्यप्रदेश से गुजरने वाली ट्रेनों में नाश्ते में इंदौरी/भोपाली पोहा-जलेबी, भुट्टे का कीस और भोजन में सेव-टमाटर जैसे विकल्प मिल सकते हैं।बिहार में लिट्टी-चोखा को मेन्यू में शामिल करने की तैयारी है। गुजरात में ढोकला और फाफड़ा, पंजाब में सरसों का साग-मक्के की रोटी, महाराष्ट्र में झुनका-भाकर और पूरन पोली,जबकि दक्षिण भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में इडली, डोसा, वड़ा और फिल्टर कॉफी को प्राथमिकता दी जाएगी। इस तरह यात्रियों को सफर के दौरान अलग-अलग राज्यों के पारंपरिक स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

'वोकल फार लोकल' से जुड़ी पहल- रेलवे इस योजना को 'वोकल फॉर लोकल' अभियान से भी जोड़ रहा है। आईआरसीटीसी न केवल पेंट्री कार के जरिए, बल्कि स्टेशनों पर मौजूद स्थानीय प्रसिद्ध होटलों, फूड वेंडर्स और महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ भी टाई-अप करेगा। इससे यात्रियों को ताजा और प्रामाणिक भोजन मिलेगा और साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

ई-कैटरिंग का दायरा भी बढ़ेगा- फिलहाल कई ट्रेनों में ई-कैटरिंग के जरिए खाना मंगाने की सुविधा है, लेकिन इस नई योजना में रीजनल फूड को सामान्य मेन्यू का हिस्सा बनाने की तैयारी है। इससे उन यात्रियों को भी फायदा मिलेगा, जो मोबाइल ऐप या ऑनलाइन ऑर्डर का इस्तेमाल नहीं करते।

यात्रियों को क्या होगा फायदा?

एक जैसे खाने से मिलेगी राहत।
ताजा और स्थानीय स्वाद का अनुभव।
भोजन की गुणवत्ता और विविधता में सुधार।
स्थानीय संस्कृति से जुड़ाव

सफर होगा ज्यादा यादगार

रेलवे अधिकारियों का मानना है कि यह बदलाव सिर्फ खानपान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह रेल यात्रा के अनुभव को और समृद्ध बनाएगा। अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो आने वाले साल में ट्रेन का सफर सिर्फ मंजिल तक पहुंचने का जरिया नहीं, बल्कि भारत के स्वादों की यात्रा भी बन जाएगा।

यूनुस कुमार पर बढ़ा दवाब

बांग लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 17 साल के स्वनिर्वासन के बाद गुरुवार को देश लौटे, जिन्हें देश का अगला पीएम माना जा रहा है। इस बीच, अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने जिन कट्टरपंथियों को बढ़ावा दिया था, आज वही देश में शांति-सौहार्द के लिए चुनौती बन गए हैं।

गंभीर आरोप : शेख हसीना को पद से हटाने के बाद छात्र नेताओं ने इस उम्मीद के साथ मोहम्मद यूनुस को कमान सौंपी थी कि वह एक बेहतर व्यवस्था की नींव रखने में मदद करेंगे। हालांकि कुछ महीनों बाद ही यह उम्मीद टूटने लगी थी और चुनाव को लेकर जिस तरह की खींचतान मची, उससे लगा कि अब लड़ाई व्यवस्था परिवर्तन नहीं, सत्ता कब्जाने की है। इस कड़ी में कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद उनके भाई के लगाए गए आरोप बेहद संगीन हैं।

कट्टरपंथियों की साजिश । हादी के भाई का कहना है कि सरकार से जुड़े लोगों ने हादी को मरवाया, ताकि चुनाव टाला जा सके। सभी दलों को समान अवसर नहीं देने के कारण यह चुनाव पहले ही संदेह के घेरे में है। इस आरोप का मतलब है कि सत्ता में शामिल कुछ तत्व जानबूझकर बांग्लादेश को अस्थिरता की ओर ले जा रहे हैं और वहां भारत विरोधी झूठा नैरेटिव बनाने में भी उन्हीं की साजिश है।

भारी पड़ेंगे सवाल : हादी कट्टर विचारधारा के युवा नेता थे, जो जुलाई क्रांति से उभरे थे। बांग्लादेश के मौजूदा माहौल में उनका कद बहुत बढ़ गया था, ऐसे में उनके परिवार की ओर से उठाए गए सवाल मोहम्मद यूनुस पर भारी पड़ सकते हैं। खराब कानून-व्यवस्था और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के मामले में कार्रवाई करने के लिए उन पर पहले से अंतरराष्ट्रीय मंचों का दबाव है।

निष्पक्षता पर शक : इस बात पर शुरू से संशय था कि शेख हसीना की पार्टी को चुनाव में हिस्सा लेने दिया जाएगा। अब सरकार का स्पष्टीकरण आ गया है और वह भी उस दिन, जब तारिक रहमान देश लौटे हैं। यह संयोग नहीं हो सकता। विभिन्न मुकदमों का सामना कर रहे तारिक को अंतरिम सरकार में ही राहत मिली और उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ। उन्हें पीएम पद का दावेदार माना जा रहा है। उनकी पार्टी BNP फिलहाल आगामी आम चुनाव जीतने के लिहाज से सबसे मजबूत स्थिति में है। लेकिन, क्या अवामी लीग के बगैर होने जा रहे इस चुनाव को बांग्लादेश की जनता का सही मत माना जाएगा।

राज्यों के हालिया निकाय चुनाव के नतीजों के संदेश और भाजपा का विजय रथ

मृत्युंजय दीक्षित
स्तंभकार

रा जधानी दिल्ली के नगर निगम चुनाव से आरम्भ हुआ भाजपा गठबंधन का विजय रथ अब केरल, महाराष्ट्र, अरुणाचल और गोवा तक पहुंच गया है। हाल में महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में निकाय चुनावों के परिणाम भाजपा के पक्ष में आए। इससे पहले केरल के चुनाव परिणाम आए, जिसमें केरल की राजधानी तिरुअनंतपुरम में पहली बार भाजपा का मेयर बना, जिसकी चर्चा पूरे भारत में हो रही है। महाराष्ट्र और अरुणाचल के नतीजे कई मायने में महत्वपूर्ण हैं।

महाराष्ट्र में 288 नगर परिषद् और नगर पंचायतों के चुनाव में महायुति ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया। भाजपा ने कुल 3325 सीटों पर विजय प्राप्त करके कुल पार्षदों का 48 प्रतिशत अपने नाम किया है। नगर परिषद् अध्यक्षों में से करीब 75 प्रतिशत महायुति के हैं। जिनमें सबसे बड़ा योगदान भाजपा का है। भाजपा ने साल 2017 के निकाय चुनाव में 1602 सीटों पर विजय प्राप्त की थी जबकि अबकी बार दोगुनी से भी अधिक 3,325 सीटें जीतने में सफलता प्राप्त की। भाजपा को महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में भी भारी सफलता मिली है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कहना हे कि साल 2014 से लेकर अभी तक भाजपा शहरी पार्टी मानी जाती थी किंतु अब भाजपा महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपना दबदबा बढ़ा रही है।

आज महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन अपनी अंतिम सांसें गिनता दिखाई पड़ रहा है। मुंबई नगर निगम के लिए उद्धव और राज हाथ मिला चुके हैं। अगर कुछ अन्य शेष बड़े नगर निगमों में भी विपक्षी गठबंधन जीत नहीं पाता तो वह बुरी तरह से बिखर सकता है। महाराष्ट्र में भाजपा की सफलता का सबसे अधिक श्रेय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जाता है जबकि शिवसेना (उद्धव गुट) अपनी दुर्गति के लिए स्वयं दोषी है। शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे ने जिन उद्देश्यों के लिए शिवसेना का गठन किया था उससे वह पूरी तरह से भटक चुकी हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अमानवीय अत्याचारों पर शिवसेना (उद्धव गुट) के मुंह में ताला लगा है। वो बांग्लादेश की घटनाओं की निंदा तक नहीं कर पा रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्यभर में 30 से अधिक रैलियां कीं जबकि ठाकरे बंधु अपने महल से बाहर ही नहीं निकले।

भाजपा की अरुणाचल विजय: सुदूर सीमावर्ती राज्य अरुणाचल प्रदेश के निकाय चुनावों में भी भाजपा ने जिला परिषद् और ग्राम पंचायत की अधिकांश सीटों पर जीत प्राप्त की और अपना दबदबा कायम रखा। भाजपा ने 245 सीटों में से 170 सीटों पर जीत दर्ज की जिनमें से 59 सीटों पर निर्विरोध विजय हुई। यहां के ग्रामीण इलाकों में भी भाजपा ने मजबूत उपस्थिति दर्ज की, जिसमें ग्राम पंचायत की 8,208 सीटों में से 6,085 सीटों पर जीत दर्ज की है। राजधानी ईटानगर के नगर निगम में भी भाजपा ने 20 मे से 14 सीटों पर विजय प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है यहां नगर परिषद की 59 सीटों पर भाजपा विजयी रही। चुनाव परिणामों से गदगद भाजपा के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि राज्य में एनडीए के मजबूत प्रदर्शन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और विकसित अरुणाचल के दृष्टिकोण के प्रति जनता का दृढ़ समर्थन झलकता है। गोवा में भी भाजपा की विजय: गोवा में भी जिला पंचायत चुनाव 2025 के सभी परिणाम सामने आ चुके हैं। ये चुनाव बैलेट बाक्स के माध्यम से हुए थे किंतु यहां भी भाजपा को विजय प्राप्त हुई और कांग्रेस व सहयोगी दलों को करारी पराजय का सामना करना पड़ा। गोवा की 50 सीटों के लिए हुए जिला पंचायत चुनाव में भाजपा गठबंधन 30 से अधिक सीटें जितने में सफल रहा। यह विजय भाजपा के लिए शुभ संकेत है। गोवा में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केरजीवाल यहां पूरा दम लगा रहे हैं और जनता से कह रहे हैं कि कांग्रेस को वोट मत देना क्योंकि उनके विधायक भाजपा में शामिल हो जाते हैं। शेष अन्य दल गोवा में सुस्त पड़े हैं। भाजपा की जीत का यह दौर जारी रहने वाला है क्योंकि कांग्रेस का रेडियो 'वोट चोरी' पर रुक गया है। देश का जनमानस कांग्रेस व राहुल गांधी को चुनाव परिणामों के जरिये बार-बार संदेश दे रहा है किंतु ये अपनी राजनीतिक रणनीति सुधारने को तैयार नहीं हैं। विदेशों में जाकर भारत की आलोचना कर रहे हैं। उन्हें अभी भी यह अंदाजा नहीं है कि देश के जनमानस को यह अब हरगिज रास नहीं आता। भारतीय जनता की आकांक्षाएं और अपेक्षाएं बदल चुकी हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बड़ी चुनौती बना पर्यावरण संकट, सुधार के लिए प्रकृति आधारित हल की जरूरत

कुलभूषण उपमन्यु
पर्यावरणविद

पि छली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण-शक्ति मानव के हाथ में दे दी तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरुआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया, उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है। इसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है।

वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं किन्तु विज्ञान का दुरूपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान् वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेषण में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को सरेखित करती है और अपने तौर-तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस उर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो साल 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है जो आगे बढ़ता जाएगा। यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैव विविधता पर भी बुरा असर पड़ने वाला है। जिससे 10 लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। 20 से 40% प्रतिशत भू-भाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है, जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। जलवायु से जुड़ी भीषण घटनाओं के कारण जनधन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण साल 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थ व्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मानव शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि साल 2040 तक तापमान वृद्धि 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएँ चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे।

इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे। ख़ासकर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी। जिसके लिए कार्बन मुक्त उर्जा विकल्पों की ओर मुड़ना होगा। सौर उर्जा, पवन उर्जा, हाइड्रो काइनेटिक उर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीज़ल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित उर्जा की ओर मोड़ना पड़ेगा। अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरूपयोग को नियंत्रित करने के लिए 'यूज़ एंड थ्रो' उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मरम्मत किये जा सकने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुनः चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना, पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए इसे रोकने के जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियाँ तलाशनी होंगी। परिवहन के कारण होने वाले भारी प्रदूषण से निपटने के लिए टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आरामदायक बनाते हुए उसे विकसित करना पड़ेगा। समस्याएँ तो आती रहेंगी किन्तु समाधान के लिए प्रकृति आधारित हल प्राथमिकता से ढूंढे जाएं तो हालत सुधरने में मदद जरूर मिलेगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

हानिकारक भी हो सकता है एसिडिटी में लगातार एंटासिड का सेवन

पेट में जलन, गैस, एसिडिटी आजकल आम समस्याएं बन गई हैं। ऐसे में तुरंत राहत पाने के लिए कई लोग एंटासिड या बेकिंग सोडा का सहारा लेते हैं। पानी में घोलकर एंटासिड पीने से कई बार फौरन आराम मिल जाता है। लेकिन इनका सेवन सेहत के लिए खतरनाक भी साबित हो सकता है। आयुर्वेद डॉक्टर कपिल त्यागी के अनुसार, जो लोग अक्सर इनका इस्तेमाल करते हैं उन्हें सावधान रहने की जरूरत है। दअरसल ये चीजें शरीर में जरूरत से ज्यादा चली जाएं तो कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

अगर आप रोजाना इनका सेवन कर रहे हैं तो इससे दिल की बीमारी होने की भी संभावना रहती है। इसके अलावा इससे सिर दर्द, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, उल्टी आदि जैसी समस्याएं भी हो सकती है। डॉक्टर ने बताया कि प्रेगनेंसी के दौरान एसिडिटी से राहत पाने के लिए कभी-कभी इन्हें लेना आमतौर पर सुरक्षित हो सकता है। लेकिन अगर आप इसका सेवन लगातार कर रही हैं तो यह होने वाले बच्चे के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। ऐसे में एसिडिटी से राहत पाने के लिए आप डॉक्टर से सलाह से ले सकती हैं।

बार बार एसिडिटी: अगर आप एसिडिटी की समस्या से बचने के लिए अक्सर इन चीजों का सेवन कर रहे हैं तो यह आपकी आदत बन जाएगी। इससे आपका पेट एसिडिटी को नेचुरल तरीके से बैलेंस नहीं कर पाएगा। इससे आपका पाचन तंत्र कमजोर हो सकता है और आपको बार-बार गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग की समस्याएं हो सकती है। इनका अधिक सेवन करने से किडनी हेल्थ भी प्रभावित होती है। इससे किडनी से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती है। दअरसल जरूरत से ज्यादा एंटासिड किडनी फेलियर का कारण बन सकता है। यदि आप पहले से ही किडनी से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं तो आपको इसका सेवन डॉक्टर से सलाह लेकर ही करना चाहिए।

हाई ब्लड प्रेशर: इनमें सोडियम कार्बोनेट की मात्रा पाई जाती है जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है। अगर आपका ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ रहता है तो आपको ईनो के सेवन से बचना चाहिए। यदि आपका ब्लड प्रेशर नॉर्मल रहता है और आपको रोजाना ईनो पीने की आदत है तो इससे आपको हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। अधिक मात्रा में एंटासिड का सेवन दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाता है। एंटासिड में सोडियम कार्बोनेट और सोडियम बाइकार्बोनेट मौजूद होते हैं जो ब्लड प्रेशर को बढ़ाने का काम करते हैं। इससे हार्ट अटैक आने की भी संभावना बढ़ती है।

सुविचार

'हार मानने से पहले, एक बार और प्रयास करने की सोचो।'

-अज्ञात

टेक्नो अपडेट

सैमसंग बना रही एडवांस बैटरी, फ़ास्ट चार्जिंग के साथ इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बढ़ेगी रेंज

इलेक्ट्रिक वाहनों के मार्केट में नई क्रांति आ सकती है और ग्राहकों की सबसे बड़ी उलझन सुलझ सकती है। जिस रेंज और चार्जिंग स्पीड को लेकर लोग सबसे ज्यादा फिक्र करते हैं और इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने से बचते हैं, उसका हल निकालने पर काम शुरू हो गया है। साउथ कोरियाई दिग्गज कंपनी सैमसंग सिलिकॉन-कार्बन (Si-C) एनोड बैटरी को बनाने जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग SDI ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए बैटरी पैक टेक्नोलॉजी को मिलकर विकसित करने के लिए KG Mobility के साथ एक साझेदारी की घोषणा की है। केजी मोबिलिटी, साउथ कोरिया की प्रमुख ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर है।

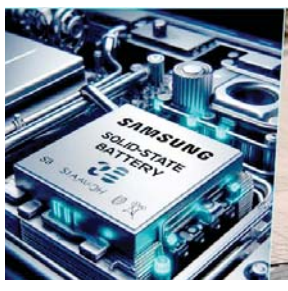

सैममोबाइल की रिपोर्ट के अनुसार, इस सिलिकॉन-कार्बन (Si-C) एनोड बैटरी में सैमसंग SDI के 46-सीरीज की सिलिंड्रिकल सेल का इस्तेमाल किया जाएगा। दावा है कि जब यह बैटरी इलेक्ट्रिक गाड़ियों में लगने लगेगी तो उनकी रेंज और चार्जिंग स्पीड में जबरदस्त सुधार होगा। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में इस तकनीक को स्मार्टफोन्स में भी लाया जाएगा। ऐसा होता है तो हम लंबी बैटरी लाइफ वाले स्मार्टफोन्स को भी लॉन्च होता हुआ देखेंगे।

बैटरी फूलने की समस्या होगी कम: रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग SDI ने KG Mobility के साथ एक एक एमओयू साइन किया है। अब दोनों कंपनियां मिलकर इलेक्ट्रिक कारों के लिए इस बैटरी पैक टेक्नोलॉजी पर काम करेंगी। बताया जा रहा है कि सैमसंग SDI की नई बैटरी में हाई-निकेल NCA कैथोड और खास सिलिकॉन कार्बन नैनोकम्पोजिट एनोड का इस्तेमाल किया गया है। दावा है कि नई तकनीक से बैटरियों के फूलने की शिकायत में कमी आएगी और उनकी लाइफ बढ़ेगी। सैमसंग ने बैटरी के डिजाइन पर खास ध्यान दिया है। उसने बैटरी को इस तरह तैयार किया है कि वह अंदरूनी तौर पर कम रेजिस्ट होती है, जिससे बैटरी में करंट का फ्लो अच्छा बना रहता है। इससे बैटरी में पावर आउटपुट बढ़ता है और वह तेजी से चार्ज भी हो पाती है। बताया जाता है कि बैटरी में गर्मी को कंट्रोल करने की प्रक्रिया को भी सुधारा गया है। यह पहले डेवलप की गई बैटरियों से ज्यादा भरोसेमंद और सुरक्षित है।

किन कारों में लगेगी ये बैटरी: अभी तक आई जानकारी के अनुसार, नए बैटरी पैक KG Mobility की नेक्स्ट जेन इलेक्ट्रिक कारों में इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए कि भविष्य में ये बैटरी अन्य कार कंपनियों को भी पावर देगी। वहीं, यह उम्मीद भी है कि भविष्य में सैमसंग की यह तकनीक उसकी गैलेक्सी सीरीज के स्मार्टफोन्स में भी आएगी।

यूजर्स गाइड

डार्क मोड पर स्मार्टफोन की बैटरी बचने के दावे की हकीकत, पढ़ना भी आसान नहीं

आजकल ज्यादातर स्मार्टफोन में डार्क मोड का ऑप्शन होता है। कई लोग सोचते हैं कि यह बैटरी बचाता है और आंखों के लिए अच्छा है। दरअसल, इसको इस्तेमाल करते हुए ऐसा लगता है जैसे आंखों पर रोशनी कम पड़ रही है, जिससे आंखें सही रहती हैं। इसके अलावा, ऐसा भी लगता है कि यह कम ब्राइटनेस का इस्तेमाल करता है, इसलिए लोग सोचते हैं कि इससे बैटरी कम खर्च होती है। लेकिन ये सिर्फ मिथक हो सकते हैं। लेकिन ऐसे भी कुछ कारण जिनकी वजह से लोग डार्क मोड इस्तेमाल करना छोड़ देते हैं।

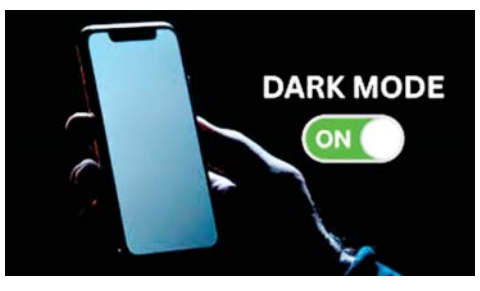

मेक यूज ऑफ की एक रिपोर्ट बताती है कि लोग सोचते हैं कि OLED स्क्रीन वाले फोन में डार्क मोड बैटरी बचाता है, क्योंकि काले पिक्सल बंद हो जाते हैं। यह तब सच है अगर पिक्सल पूरी तरह ब्लैक हों। ज्यादातर डार्क मोड में गहरा ग्रे इस्तेमाल होता है। ग्रे पिक्सल भी बिजली खाते हैं। इसलिए बैटरी में ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। OLED डिस्प्ले में डार्क मोड को बैटरी सेवर बताया जाता है, लेकिन असल में ऐसा नहीं है।

टेक्स्ट पढ़ने में होती है दिक्कत: डार्क मोड में सफेद या हल्के रंग का टेक्स्ट काले बैकग्राउंड पर होता है। इससे पढ़ना मुश्किल हो जाता है। सदियों से किताबें काले अक्षरों वाले सफेद पन्नों पर छपी हैं क्योंकि इससे पढ़ना आसान होता है। डार्क मोड में कंट्रास्ट कम होता है और उससे टेक्स्ट पढ़ने में दिक्कत होती है। सैमसंग फोन्स में तो डार्क मोड और भी खराब लगता है क्योंकि वहां डार्क मोड काला, गहरा ग्रे और गहरा हरा रंग मिलाकर इस्तेमाल होता है।

अजीब लगते हैं ऐप्स के इंटरफेस: कई ऐप्स के स्क्रीनशॉट देखें तो लाइट मोड ज्यादा साफ और सुंदर लगता है। डार्क मोड में हाइलाइट किए गए हिस्से का रंग गहरा होता है और बैकग्राउंड पर अजीब लगता है। जैसे प्ले स्टोर में नीला रंग सफेद पर अच्छा दिखता है, लेकिन काले पर नहीं। जीमेल में काला टेक्स्ट सफेद पर आसानी से दिखता है, लेकिन डार्क मोड में हल्का सफेद टेक्स्ट, डार्क मोड पर अजीब लगता है। कई ऐप्स में डार्क मोड को बाद में जोड़ा गया है, इसलिए वह अच्छे से डिजाइन नहीं हुए हैं। इससे कुल मिलाकर आंखों के लिए अच्छा अनुभव नहीं मिलता।

ये फीचर उतना भी अच्छा नहीं: डार्क मोड कभी बहुत लोकप्रिय हुआ था, लेकिन अब लोगों को एहसास होने लगा है कि यह उतना अच्छा नहीं है। डार्क मोड में कंट्रास्ट कम होता है। ज्यादातर ऐप्स इसमें अच्छे नहीं दिखते। इसके अलावा, ग्रे स्क्रीन देने पर बैटरी की बचत भी नहीं होती है। लिहाजा, आप चाहें तो इस फीचर को ऑफ भी कर सकते हैं।

निशाना

हम जिसे गम की दवा कहते हैं

धर्मराज देशराज

हम जिसे ग़म की दवा कहते हैं
लोग सब उसको बुरा कहते हैं।
बहुआ मौत की देने वाले
हमतो इसको भी दुआ कहते हैं।
ग़म नही आग जलाए ग़म की
लोग सोना है तपा कहते हैं।
अश्क़ हाथों से जो अपने पोछा
लोग हाथों में हिना कहते हैं।
हमतो लेते हैं मज़ा ग़म का भी
यार नादां हैं सज़ा कहते हैं।
दर्द पाकर मैं बहाता आँसू
यार सब इसको अदा कहते हैं।
अपने पैरों की बिवाई को 'धरम'
हम तो मंज़िल का पता कहते हैं।

न्यूज विंडो

कृषि उपज मंडी में 16,743 क्विंटल उपज की हुई आवक

सिरोंज। दो दिन का अवकाश शुरू होने से पहले शुक्रवार को कृषि उपज मंडी में 16743 क्विंटल उपज की आवक हुई। मंडी में क्रिसमस का अवकाश था। जब मंडी खुली तो दशहरा मैदान किसानों की उपज से भरी ट्रैक्टर ट्राली से भरा हुआ था। व्यापारियों का बंपर आवक की उम्मीद थी। जब नीलामी का सिलसिला शुरू हुआ तो भाव सुनकर किसानों को निराशा हुई। मक्का का औसत भाव 1450 रूपए ही मिला। जबकि कुछ दिनों से मक्का का औसत भाव 1500 से 1550 रूपए तक पहुंच गया था। इस दौरान 381 किसान अपनी 12142 क्विंटल मक्का की उपज लेकर आए थे। किसान लक्ष्मीनाराण कुर्मी ने बताया कि व्यापारियों को पता था कि अब दो दिन का अवकाश है। ऐसे में किसान अपनी उपज लेकर वापस नहीं जाएगा। इस कारण उन्होंने मनमानी भरे दाम लगाए और मजबूरी में किसान को उनकी उपज बेचकर जाना पड़ा। ऐसा हर बार होता है। इस दौरान 133 किसान 2959 क्विंटल सोयाबीन भी लेकर आए। जो 2000 से शुरू होकर 4655 रूपए क्विंटल बिका।

आबकारी और पुलिस की टीम ने जब्त की अवैध शराब, आरोपी गिरफ्तार

गंजबासौदा। अवैध शराब विक्रय की रोकथाम के लिए आबकारी विभाग और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर लाखों रुपए मूल्य की देशी विदेशी शराब बरामद की है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार तथा उपायुक्त आबकारी, संभागीय उड़नदस्ता भोपाल यशवंत धनोरा के निर्देशों के क्रम में जिला आबकारी अधिकारी शरद पाठक के मार्गदर्शन एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी साधना पटेल के नेतृत्व में कार्रवाई की गई है। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर स्थित जेल रोड पर नरवरिया ढाबे पर विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी कमल सिंह नरवरिया के पास से सात पेटी शराब की बरामद की है। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के अंतर्गत प्रकरण कायम कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं वार्ड 21 में एक मकान की तलाशी लेने पर कुल 22 पेटी देशी प्लेन, देशी मसाला एवं विदेशी मदिरा बरामद की गई। मौके से आरोपी मोनू फरार हो गया जिसके विरुद्ध भी मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के अंतर्गत प्रकरण कायम किया गया है। जब्त शराब का बाजार मूल्य लगभग 1 लाख 40 हजार रुपये है।

क्विज प्रतियोगिता में साहिबज़ादा फतेह सिंह टीम रही प्रथम

महेश्वर। नगर के शासकीय सांदीपनि विद्यालय में वीर बाल दिवस के अवसर पर वीर साहिबज़ादों एवं अन्य बलिदानियों के शौर्य और त्याग को स्मरण करते हुए एक प्रेरणादायक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, इतिहासबोध और वीर बलिदानियों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के प्राचार्य बिरजू गुप्ता एवं पीएम श्री कन्या विद्यालय महेश्वर की प्राचार्य संध्या चौहान ने वीर साहिबज़ादों के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात क्विज प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ, जिसमें क्विज मास्टर राजकुमार शर्मा ने अत्यंत रोचक और ज्ञानवर्धक प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों को सिखाया और जोड़ा।प्रतियोगिता में टीमों के नाम चार साहिबज़ादों के नाम पर रखे गए। साहिबज़ादा फतेह सिंह टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। टीम के सदस्य मयंक रावल, वीणा विश्वकर्मा एवं दीपांशी कुमावत को नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा दर्शक विद्यार्थियों से भी प्रश्न पूछे गए, जिनके सही उत्तर देने पर उन्हें पुरस्कार दिए गए।

केडीबीएम इंटरनेशनल स्कूल में वीर बाल दिवस पर प्रदर्शनी का आयोजन

सिरोंज। केडीबीएम इंटरनेशनल स्कूल में वीर बाल दिवस के अवसर पर सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी के वीर साहिबज़ादों की शहादत को नमन करते हुए एक विशेष समाचार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साहिबज़ादों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। प्रदर्शनी में साहिबज़ादा बाबा जोरावर सिंह जी एवं साहिबज़ादा बाबा फतेह सिंह जी की अद्वितीय वीरता, अटूट धर्मनिष्ठा तथा अमर बलिदान को समाचार कटिंग्स, चित्रों, पोस्टरों एवं संक्षिप्त विवरणों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया गया। विद्यालय की निदेशक श्वेता आनंद त्यागी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वीर बाल दिवस यह संदेश देता है कि सच्चा साहस आयु का मोहताज नहीं होता। गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबज़ादों का बलिदान विद्यार्थियों के लिए जीवन मूल्यों और राष्ट्रभक्ति की अनुपम प्रेरणा है। विशेष अतिथि विकास खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) उमेश सोनी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थी अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित होते हैं तथा उनमें नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का विकास होता है। कार्यक्रम का समापन वीर बालों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज तिवारी एवं महाविद्यालय प्राचार्य श्री शांताराम मराठा की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की।

आरोन और बामौरा रोड पर पहुंचा नपा अमला, हिदायत देकर जब्त किया सामान

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर लोग कितने बेफिक्र हैं। इसकी एक और बानगी छतरी नाका चौराहा पर दिखाई दी। नगर पालिका का अतिक्रमण विरोधी अमला शाम को चौराहे से होते हुए आरोन रोड पर पहुंचा। अमले का नेतृत्व कर रहे सीएमओ रामप्रकाश साहू लोगों से कब्जा हटाने का अनुरोध कर रहे थे। जब वे आगे बड़े तो सड़क पर ही लोहे की सीड़ियां लगी दिखाई दी। एक मंजिला भवन तक ला रही यह सीड़ी यहां स्थित दुकान के आगे लगी थी और करीब सड़क का 5 फीट से ज्यादा हिस्सा घेर रखा थी। सीड़ी से सटकर ही दुकानदार का सामान रखा हुआ था। सीएमओ ने तुरंत ही सीड़ी को हटाने के

निर्देश दिए। इसी बीच दुकानदारों का ही दूसरा अवैध कब्जा सामने आया। यहां पर अधिकांश दुकानदारों ने अपनी दुकान के आगे बने नाले पर पक्का निर्माण कर लिया था। जिसे नाला पूरी तरह गायब हो गया था। कुछ दुकानदारों ने तो बकायदा टाइल्स भी लगवा लिए थे। सीएमओ ने नाले पर अवैध निर्माण पर भी सख्त ऐतराज जताया। इसी दौरान दुकानदारों ने हाथ जोड़कर सीएमओ से गुजारिश की कि एक दिन का समय दें। जिससे की वे खुद ही अपना अवैध कब्जा हटा सकें। सीएमओ ने उन्हें शनिवार सुबह तक का समय दिया है।

आरोन रोड से लौटकर नपा की टीम बामौरा रोड पर पहुंची। करीब एक महीने पहले नपा ने इसी स्थान से अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की शुरूआत की थी। इसके बाद यहां पर दुकानदारों ने एक बार फिर यहां पर अवैध कब्जा कर लिया और इसी कारण सड़क पर जाम के स्थिति बनने लगी हैं। नपा की टीम को देखकर दुकानदारों ने एक बार फिर अपना सामान हटाना शुरू कर दिया। हालांकि इसी बीच नपा की टीम ने अनेक दुकानदारों का सामान जब्त कर लिया। नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि दुकानदारों को अंतिम चेतावनी दी गई है। शनिवार से सामान की जब्ती के साथ ही चालानी कार्रवाई भी की जाएगी।

ठेले और कब्जे हटे तो दिखाई दी सड़क की चौड़ाई

आरोन रोड की सड़क 50 फीट से ज्यादा चौड़ी है लेकिन अवैध कब्जे के कारण सड़क की चौड़ाई कभी दिखाई ही नहीं देती। सड़क के दोनों तरफ के दुकानदारों द्वारा अपनी दुकान के आगे 8 से 10 फीट का हिस्से पर टीनशेड डालकर कब्जा कर लिया है। इसके बाद रही-सही कसर सब्जी और फल विक्रेता ठेला चालक पूरी कर देते हैं। सड़क के इस अवैध कब्जे के कारण 50 फीट चौड़ी इस सड़क पर वाहनों और राहगीरों के आने-जाने के लिए केवल 15 फीट की जगह मिल है। इस जगह में से ही यात्री बस सहित सभी बड़े वाहन निकलते हैं। इस कारण इस सड़क पर दिनभर पल-पल में जाम के हालात बनते हैं।

सांसद डॉ.लता वानखेड़े ने रेल मंत्री सामने रखी थी लोगों की मांग

सिरोंज व कुरवाई को रेलवे लाइन से जोड़ने के लिए कराया जा रहा है सर्वे

विदिशा। दोपहर मेट्रो

सड़क मार्ग पर निर्भरता वाली कुरवाई व सिरोंज विधानसभा को रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे लाखों लोगों का सफर आसान होगा व व्यापार भी बढ़ेगा। जल्द ही यहां सर्वे शुरू हो रहा है। जिसमें रेलवे लाइन का मार्ग, दूरी, रेलवे स्टेशनों की संख्या सहित पुल पुलियों को चिन्हित किया जाएगा। साथ ही बीना से ब्यावरा के बीच रेल मार्ग का रास्ता साफ हो जाएगा।

वर्तमान में रेल सुविधाएं नहीं होने के कारण लाखों लोगों को अधिक समय व रुपए खर्च करने पड़ रहे है। दो दशक पूर्व बीना-कुरवाई-पथरिया सिरोज-लटेरी-व्यावरा और गुना आरोन भगवंतपुर-सिरोंज बैरसिया-भोपाल रेल लाइन का सर्वे हुआ था। लेकिन अब तक किसी भी रूट पर रेल लाइन नहीं डाली जा सकी है। अब सांसद डॉ.लता वानखेड़े ने रेल मंत्री तक लोगों की मांग व जरूरत को रखा। इसके बाद बीना से ब्यावरा रेल लाइन की उम्मीद बढ़ गई है। सांसद ने बताया कि मांग के बाद रेल लाइन डालने का सर्वे शुरू करा जा रहा है। विदिशा जिले की लटेरी तहसील के भील, बंजारा समाज के गांव सोजनीखेड़ा, आरीताजपुरा, जरसेना, बसीरगढ़, चमर उमरिया, ईशरवास के अधिकांश ग्रामीण अभी तक ट्रेन में सफर नहीं कर पाए, है, क्योंकि यहां रेल लाइन नहीं है। क्षेत्र की 25 फीसदी आबादी अभी तक कभी ट्रेन में नहीं बैठी है।

12 में से 8 तहसीलों में नहीं रेल लाइन

विदिशा जिले की पठारी, कुरवाई, सिरोंज, लटेरी शमशाबाद, नटेरन, ग्यारसपुर, त्यांदा तहसील में अभी तक रेल लाइन नहीं पहुंची है। हालांकि जिला मुख्यालय विदिशा, गंजबासौदा व गुलाबगंज तहसील में रेलवे स्टेशन है। इन तीनों स्टेशनों से जिले के अधिकांश यात्री ट्रेन में सवार होते हैं। नई रेल लाइन के डलने से विदिशा सहित गुलाबगंज, गंजबासौदा व मंडीबामोरा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का दबाव कम होगा। ग्राम जावती निवासी बृजनारायण शर्मा का कहना है कि रेल लाइन के लिए 3 मई 1998 को आनंदपुर के ग्राम जावती से विदिशा होते हुए दिल्ली तक साइकिल यात्रा निकाली थी। दिल्ली में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी, रेल मंत्री नितीश कुमार से मुलाकत की थी।

हत्या के आरोपी अकरम का अवैध मकान जमींदोज

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

कैमोर थाना क्षेत्र के अमरैयापार में नगर परिषद एवं प्रशासन ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए भाजपा नेता नीलू रजक हत्याकांड के मुख्य आरोपी अकरम खान का अवैध मकान जमींदोज कर दिया। यह कार्रवाई नगर परिषद द्वारा प्रशासन, पुलिस एवं राजस्व विभाग की मौजूदगी में की गई। गौरतलब है कि जांच के दौरान यह तथ्य सामने आए कि आरोपी अकरम खान का मकान जो कि वार्ड क्रमांक 14 अमरैयापार में मां खैरून निशा पति इमाम के नाम से बना है। जिसमें आरोपी अकरम खान पिता इमाम खान (27) व भाई इरफान खान परिवार के साथ रहे रहा था। नगर परिषद की जांच में यह अवैध निर्माण पाया गया, जिसे गिरा दिया गया है।

जानकारी के अनुसार आरोपी अकरम खान द्वारा नवाब से जमीन लेकर मकान अवैध तरीके से बना लिया गया था, जबकि इसके पहले यह किसी आदिवासी के नाम से जमीन थी। खैरून निशा का अवैध निर्माण पाए जाने पर 29 अक्टूबर को नोटिस दिया गया था। 14 नवंबर तक अवैध निर्माण हटाए जाने कहा गया, 1 दिसंबर को नगर परिषद द्वारा अवैध निर्माण तोड़ने का नोटिस जारी किया गया था। इसपर आरोपी के भाई मो इमरान खान द्वारा नोटिस पर हाइकोर्ट में याचिका लगाई गई थी, जहां से सुनवाई के बाद याचिका खारिज कर दी गई। इसके बाद नगर परिषद ने अवैध 26 दिसंबर को अवैध निर्माण हटाने का नोटिस जारी करते हुए कार्रवाई को अंजाम दिया गया। तय कार्रवाई के अनुसार शुक्रवार सुबह नगर परिषद की टीम तीन जेसीबी के साथ आरोपी अकरम खान के मकान तक पहुंची और अवैध निर्माण पर कार्रवाई शुरू की। चार घंटे में अवैध मकान को टीम ने ध्वस्त यिा। इस कार्रवाई के बाद स्थानीय नागरिकों में यह चर्चा का विषय रहा कि हत्या जैसे गंभीर अपराधों में शामिल आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई आवश्यक है।

पचमढ़ी में धरना स्थगित, जोनल मास्टर प्लान का हिंदी अनुवाद होगा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

ईको सेंसिटिव जोन और जोनल मास्टर प्लान के विरोध में पचमढ़ी बचाओ संघर्ष समिति के आंदोलन का असर दिखाई दिया। वन विभाग ने मास्टर प्लान का हिंदी अनुवाद कराकर दोबारा आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित करने पर सहमति जताई है। साथ ही, प्लान की अंतिम प्रकाशन प्रक्रिया फिलहाल रोक दी गई।सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की उपसंचालक और वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जनप्रतिनिधियों व समिति सदस्यों से चर्चा की। इसके बाद समिति ने अपना धरना स्थगित कर दिया। वन विभाग ने 10 जनवरी से पहले उच्च स्तरीय बैठक बुलाने का आश्वासन भी दिया, जिसमें समिति सदस्य, जनप्रतिनिधि, स्टेकहोल्डर्स और संबंधित अधिकारी शामिल होंगे।बुधवार को समिति के नेतृत्व में पचमढ़ी बंद का आयोजन किया गया था। सुबह से जनप्रतिनिधि, समिति सदस्य और आम नागरिक सक्रिय रहे। समिति प्रतिनिधियों ने एसडीएम पिपरिया से मुलाकात कर मांगें रखीं। दोपहर 2 बजे जटाशंकर मार्ग पर बड़ी संख्या में लोग जुटे, जहां भाजपा व कांग्रेस के जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

आरटीओ की चेतावनी: बिना प्राधिकार पत्र पुराने वाहनों की खरीद-बिक्री पर पूर्ण रोक

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) रिंकू शर्मा ने पुराने वाहनों की खरीद-बिक्री पर सख्ती बरतने के निर्देश जारी किए। केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के नियम 55ए के तहत बिना वैध प्राधिकार पत्र कोई कारोबार नहीं चलेगा। उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई होगी।डीलर वाहन पोर्टल पर फॉर्म 29ए से ऑनलाइन आवेदन करेंगे और 25 हजार रुपये फीस जमा करेंगे। 30 दिनों में जांच के बाद फॉर्म 29 में डिजिटल प्राधिकार पत्र मिलेगा। उनके पास पर्याप्त पार्किंग जगह होनी चाहिए, सड़क पर वाहन खड़े नहीं होंगे। वाहन सौंपने पर स्वामी फॉर्म 29सी से ऑनलाइन सूचना देगा, जिससे डीलर डीम्ड ओनर बनेगा। वापसी पर फॉर्म 29डी से यह दर्जाना हटेगा। नियम 55सी के तहत डीलर बीमा, पंजीयन, फिटनेस, पीयूसीसी आदि दस्तावेज संभालेगा, नवीनीकरण-एनओसी के आवेदन करेगा और वाहन सूची अपडेट रखेगा। नियम 55डी से वाहनों का सार्वजनिक जगह पर केवल ट्रायल, डेमो, प्रदर्शनी या मरम्मत के लिए उपयोग होगा।

मेट्रो एंकर

पचमढ़ी उत्सव का आगाजः चार दिन तक चलेंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्निवाल से महाकाल सवारी और झांकियां रहीं मुख्य आकर्षण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

पर्यटन नगरी पचमढ़ी में पचमढ़ी महोत्सव का शुभारंभ हुआ। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन और केंट सीईओ राहुल गजभिए ने हरी झंडी दिखाकर आकर्षक कार्निवाल को रवाना किया। पर्यटकों और सैलानियों ने जमकर थिरकते हुए उत्सव में शामिल होकर खुशी जाहिर की।शिव बारात थीम पर आधारित कार्निवाल में ड्रैगन, नंदी, योगी मूर्तियां, गोरिल्ला, सफेद भालू, विंटेज कारें, महाराष्ट्र के ढोल ताशा, आदिवासी नृत्य और उज्जैन के डमरू ग्रुप की झांकियों ने सबका मन मोह लिया।

सीईओ हिमांशु जैन ने खुद पर्यटकों संग डमरू-झांझ बजाकर नृत्य किया। देर शाम सांसद दर्शन सिंह चौधरी पहुंचे और ढोल-ताशा बजाकर कलाकारों का हौसला बढ़ाया।26 से 29 दिसंबर तक चलने वाले

इस महोत्सव में लोक नृत्य, शास्त्रीय नृत्य, बॉलीवुड डांस, आर्मी बैंड और नामी गायकों की प्रस्तुतियां होंगी। पहले दिन सारेगामा फेम अखिलेश तिवारी, वैशाली रैकवार और पूजा ठाकरे के डांस ग्रुप ने धूम मचाई। आज 27 को ऋतंभरा कुशवाहा का शास्त्रीय नृत्य, राजा रेंचो का मैजिक-कॉमेडी शो और जतिन श्रॉफ, लक्ष्मी सिंह व अतुल पंडित के गीत सुनने को मिलेंगे। 28 को आर्मी बैंड, विवा डांस ग्रुप, अनिल नगरुरकर, विनती सिंह व दिव्यांश वर्मा प्रदर्शित होंगे। अंतिम दिन 29 को इशिता विश्वकर्मा और प्रेम दीपांशी राक्शी के गीतों पर बॉलीवुड डांस होगा।बच्चों से लेकर बड़ों तक ने कार्निवाल का खूब लुत्फ उठाया। महोत्सव ने पचमढ़ी की सर्द शामों को और रंगीन बना दिया।

न्यूज विंडो

बालाघाट के कहारटोला में एक बेकाबू ट्रैक्टर मकान में घुसा

बालाघाट। बालाघाट के वार्ड नंबर 5 सरेखा स्थित कहारटोला में देर रात एक अनियंत्रित ट्रैक्टर एक मकान में जा घुसा। इस हादसे में घर के एक बुजुर्ग व्यक्ति घायल हो गए, जबकि मकान को भी काफी नुकसान पहुंचा है। घटना उस समय हुई जब सड़क से गुजर रहा एक ट्रैक्टर अचानक बेकाबू होकर जियालाल यादव के कच्चे मकान में घुस गया। इस दुर्घटना में जियालाल यादव को पैर, कमर, हाथ और कंधे में चोटें आई हैं। परिवार के अन्य सदस्य सुरक्षित बताए गए हैं। हादसे में मकान का छप्पर टूट गया और घर के भीतर रखी अलमारी, पंखा, दरवाजे, कुर्सियां और बर्तन सहित अन्य घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और वार्ड के एक अन्य ड्राइवर की मदद से घर में घुसे ट्रैक्टर को बाहर निकाला।

मंडला के पीएम श्री स्कूल से छात्राओं की रील वायरल, मचा बवाल

मंडला। जिले के बिछिया विकासखंड स्थित एक पीएमश्री स्कूल से एक वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में छात्राएं क्लासरूम के भीतर पढ़ाई छोड़कर फिल्मी गानों पर शादी का नाटक और रील बनाती दिख रही हैं। इसमें छात्राएं क्लासरूम की बेंच पर खड़ी होकर बॉलीवुड गानों पर रील बनाती और डांस करती नजर आ रही हैं। इस पर सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग वंदना गुप्ता ने संज्ञान लिया है। उन्होंने बताया कि बीईओ, बीआरसी, भीमडोंगरी हाई स्कूल के प्राचार्य और सांदीपनि विद्यालय घुटास के उच्चतर माध्यमिक शिक्षक की एक संयुक्त जांच टीम गठित की गई है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राशन दुकान चलाने चलाने को लेकर समूह अध्यक्ष और सचिव परिवार आपस में भिड़े

जबलपुर। गोसलपुर क्षेत्र में शासकीय उचित मूल्य की दुकान चलाने के लिए समूह अध्यक्ष और सचिव अपने परिजन समेत आपस में भिड़ गए। विवाद के बाद दोनों ही तरफ जमकर लात-घूसे चले। घटना शुक्रवार की है, इसका वीडियो शनिवार सुबह से वायरल भी हो रहा है। शासन के आदेशानुसार कछपुरा गांव में दो साल पहले शासकीय उचित मूल्य की दुकान खोली गई थी। इसे अध्यक्ष अर्चना पटेल और सचिव पूजा पटेल सहित समूह की अन्य महिला सदस्यों को साथ में चलाना था। अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि दो साल से दुकान लगातार चल रही है, लेकिन जो लाभ होता है, वह सचिव अपने पास रख लेती है। बात करो तो वह पति और बेटे को आगे कर देती हैं। मामले में अध्यक्ष ने सिहोरा एसडीएम से सचिव पूजा पटेल की शिकायत की थी।अध्यक्ष अर्चना पटेल और सदस्य शशि बाई ने गोसलपुर थाने में सचिव और उसके पति सहित अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है।

रहली थाना क्षेत्र के मैनाई गांव की घटना, पुलिस जांच में जुटी

मां और दो मासूम बच्चों के शव घर में फंदे पर लटके मिले

सागर। दोपहर मेट्रो

रहली थाना क्षेत्र के मैनाई गांव में एक मां और उसके दो मासूम बेटों के शव फांसी के फंदे पर झूलते मिले। घटना के समय मृतका का पति खेत पर था। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर हत्या और आत्महत्या, दोनों पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार मृतक रचना के जेठ ब्रजेश लोधी ने बताया कि वह और उसका छोटा भाई राजेश खेत में सिंचाई करने गए थे। रात करीब पौने 10 बजे वे घर लौटे। दोनों अपने-अपने कमरों की तरफ गए ही थे कि अचानक राजेश के चिल्लाने की आवाज आई। ब्रजेश दौड़कर भाई के कमरे में पहुंचा तो देखा कि बहू रचना (32), भतीजा ऋषभ (5) और छोटा भतीजा राम (2) अलग-अलग फंदे पर लटके हुए थे। भाईयों ने रस्सियां काटकर तीनों को नीचे उतारा, लेकिन तब तक तीनों की सांसें थम चुकी थीं। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि दरवाजा भी खुला हुआ था। यह हत्या है या आत्महत्या अभी इसकी जांच की जा रही है।

मामले में घर के बाकी सदस्यों के होते हुए खुले दरवाजे के बावजूद महिला व दो बच्चों की फांसी कैसे लगी। किसी को आहट तक नहीं आई। पुलिस इसको लेकर भी जांच कर रही है। उधर सूचना मिलते ही रहली पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल (फॉरेंसिक) टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए। रहली थाना प्रभारी सुनील शर्मा ने बताया कि शवों का पोस्टमॉर्टम कराया है। मामले की जांच की जा रही है।

सब अपने कमरों में थे, तभी हुई घटना

रचना के पति राजेश लोधी तीन भाई हैं। राजेश सबसे छोटा है। बड़े भाई देवेंद्र लोधी की मौत हो चुकी है। उनकी पत्नी, एक बेटा और तीन बेटियां साथ रहती हैं। मंझले भाई ब्रजेश लोधी अपनी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी भी साथ रहते हैं। मां प्रयागरानी भी साथ घर में रहती हैं। पिता गोपी सिंह लोधी खेत पर बने मकान में रहते हैं। घटना के समय राजेश और भाई ब्रजेश लोधी खेत पर थे। परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। रचना अपने दोनों बेटों के साथ खाना खाकर घर के काम पूरे कर अपने कमरे में चली गई थी।

लुटेरी दुल्हन का खुलासा

बुआ-भतीजी ने रची थी शादी के नाम पर ठगी की साजिश, भेजा जेल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना अंतर्गत इमलिया चौकी क्षेत्र में 6 दिसंबर को सामने आए लुटेरी दुल्हन के मामले में चौंकाने वाले तथ्य सामने आया है। इस प्रकरण में बुआ-भतीजी की जोड़ी ने मिलकर शादी के नाम पर सुनियोजित ठगी की वारदात को अंजाम दिया। जबलपुर निवासी आरोपी मुस्कान उर्फ कृतिका जैन और उसकी बुआ पुष्पा जैन पर मनका निवासी युवक से लाखों रुपए की ठगी करने का आरोप है इमलिया पुलिस के अनुसार निवासी युवक की शादी मुस्कान उर्फ कृतिका जैन से तय कराई गई थी। शादी के नाम पर आरोपी महिलाओं ने युवक और उसके परिजन का विश्वास जीतकर 5 लाख 30 हजार रुपए नगद और लगभग 5 लाख 30 हजार रुपए के सोने-चांदी के जेवर ले लिए। इस साजिश में 5 लोग शामिल थे। इधर शादी के कुछ समय बाद ही दुल्हन अपनी बुआ के साथ जेवरात लेकर मायके जाने का बहाना बनाकर फरार हो गई और फिर वापस नहीं लौटी पीड़ित की शिकायत पर तेजगढ़ थाना अंतर्गत इमलिया चौकी में मामला दर्ज किया गया था जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी बुआ-भतीजी पहले भी इसी तरह की ठगी के मामलों में शामिल रही हैं और उज्जैन जिले में भी शादी के नाम पर धोखाधड़ी के मामलों में जेल में बंद थीं दमोह जिले के प्रकरण में न्यायिक प्रक्रिया के तहत दोनों आरोपियों को उज्जैन जेल से जेल वारंट के माध्यम से शुक्रवार को तेंदूखेड़ा न्यायालय में पेश किया गया। पेशी के दौरान न्यायालय ने दोनों को पुनः जेल वारंट जारी करते हुए वापस उज्जैन जेल भेजने के आदेश दिए पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह पूरा मामला एक संगठित ठगी गिरोह से जुड़ा हो सकता है। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की गहन जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस तरह की ठगी के और कितने मामलों को उन्होंने अंजाम दिया है साथ ही अन्य संभावित पीड़ितों से भी संपर्क किया जा रहा है।

केवई नदी पर प्रस्तावित बांध से पेयजल संकट की आशंका, क्षेत्र में हुआ विरोध

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

कोतमा विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों गांवों और कोतमा, बिजुरी, गोविंदा, भालूमाड़ा व जमुना में रहने वाले लाखों नागरिकों के लिए जीवनदायिनी मानी जाने वाली केवई नदी का अस्तित्व खतरे में पड़ता नजर आ रहा है। ग्राम छतई में स्थापित हो रहे अडानी पावर प्लांट के लिए इस नदी पर बनाए जा रहे बांध को लेकर क्षेत्र में गंभीर चिंताएं सामने आई हैं।

स्थानीय नेता सुनील सराफ ने सरपंचों और ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचकर बांध स्थल का निरीक्षण किया। उनका कहना है कि जिस प्रकार का बांध बनाया जा रहा है, उससे बरसात के मौसम को छोड़कर नदी का पानी आगे कोतमा की ओर नहीं जा पाएगा, जिससे पूरा क्षेत्र गंभीर पेयजल संकट की चपेट में आ सकता है। सुनील सराफ ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी, तो आने वाले समय में लाखों नागरिकों को पीने के पानी के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे विकास या उद्योगों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन मानव जीवन और जल संरक्षण सर्वोपरि है। उन्होंने क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों, नगरपालिका अध्यक्षों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस मुद्दे पर एकजुट हों और केवई नदी पर बांध निर्माण को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करें। सराफ ने यह भी बताया कि उन्होंने इस संबंध में प्रशासन से बातचीत कर लिखित पत्र भी सौंपा है, लेकिन यह लड़ाई अकेले संभव नहीं है। इस पूरे मामले पर अधिक जानकारी और आगे की रणनीति को लेकर आज शाम फेसबुक लाइव के माध्यम से विस्तार से बात करने की बात भी उन्होंने कही है। केवई नदी को लेकर उठे इस सवाल ने पूरे कोतमा क्षेत्र में हलचल मचा दी है। अब देखना होगा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस चेतावनी को कितनी गंभीरता से लेते हैं।

खुलासा: विवाद के बाद गांव के एक परिवार ने कर दी थी युवक की हत्या

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

बिछुआ थाना अंतर्गत ग्राम सुरंगी से खमरा जाने वाले मार्ग पर पुलिया के नीचे बोरे में युवक का शव मिला था। पुलिस ने शव की शिनाख्त सिवनी जिले के बादलपार चौकी अंतर्गत ग्राम जोगीवाड़ा के अर्जुन (46) पिता रूपलाल मरावी से की थी। हत्या का यह मामला बिछुआ पुलिस के चुनौती बना हुआ था लेकिन शिनाख्त होने के 24 घंटे के भीतर बिछुआ पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा कर दिया।

पुलिस ने जांच में पाया कि मृतक का 19 दिसंबर को सुनीला उइके के घर पहुंचा था तथा बदनाम करने, घर जलाने तथा जान से मारने की धमकी परिवार को दी थी। इस दौरान विवाद होने पर एक ही परिवार के अज्जू उर्फ अजय (23) पिता मोहन उइके, अंकित (26) पिता मोहन उइके, मोहन (50) पिता लखनू उइके, सुनीला (45) पति मोहन उइके सभी निवासी ग्राम जोगीवाड़ा, सिवनी ने कुल्हाड़ी से हमला कर अर्जुन की हत्या कर दी तथा शव को बोरी में भरकर बाइक से बिछुआ क्षेत्र में फेंका था।

पुलिस ने इस प्रकरण का खुलासा करते हुए सभी आरोपियों को पकड़ लिया है। इस कार्रवाई में बिछुआ थाना प्रभारी सतीश उइके, एसआई अजय सिंह सल्लाम, जियालाल पांचे, एएसआई शिवशंकर सिंह, प्रधान आरक्षक प्रमोद धुर्वे, यशवंत मर्सकोले सहित बिछुआ तथा चांद का स्टॉफ सहित एफएसएल टीम, सायबर सेल प्रधान आरक्षक नितिन सिंह, आरक्षक राहुल डडोरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

23 दिसंबर को पुलिया के नीचे दिखा था शव

बिछुआ थाना अंतर्गत ग्राम सुरंगी से खमरा जाने वाले मार्ग पर पुलिया के नीचे 23 दिसंबर 2025 को बोरे में बंद युवक का शव मिला था। युवक की धारदार हथियार से हत्या कर शव को बोरे में बंद कर पुलिया के नीचे फेंका गया, शव पर धारदार हथियार से गले व कंधे पर गहरे निशान थे, पुलिस को 112 पर सूचना मिली थी कि पुलिया के नीचे बोरा पड़ा है तथा उसमें कुछ संदिग्ध चीज है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरु कर दी थी।

मेट्रो एंकर

खाद की किल्लत से ग्रामीण हो रहे परेशान

कई किसानों को दो-दो बोरी यूरिया के लिए निजी दुकानों पर पहुंचाया

रतलाम। दोपहर मेट्रो

रबी सीजन में यूरिया खाद के लिए किसान दर-दर भटक रहा हैं, शुक्रवार को भी बड़ी संख्या में किसान तहसील कार्यालय पहुंच गए। प्रशसानिक अधिकारियों ने व्यवस्था करते हुए किसानों को लाइन में खड़े कर सोमवार तक के टोकन वितरण किए, तो कुछ को दो-दो बोरी यूरिया के लिए निजी दुकानों पर पहुंचाया गया।

डीएमओ यशवर्धनसिंह ने बताया कि शासकीय अवकाश दिवस शनिवार-रविवार 27 एवं 28 दिसंबर को टोकन वितरित नहीं किए जाएंगे। आगामी अवकाश दिवसों में दिलीपनगर, बिरियाखेड़ी एवं एमपी एग्रो मंडी नगद खाद विक्रय केंद्रों से खाद प्राप्त करने के लिए कोई भी किसान तहसील कार्यालय रतलाम से टोकन लेने के लिए नहीं आए। किसान यूरिया की आवश्यकता पूर्ति के लिए दूरदराज गांवों से हर दिन रतलाम तहसील कार्यालय पहुंच रहे हैं, लेकिन कभी टोकन तो कभी खाद नहीं मिलने के कारण कई किमी का सफर कर आने-जाने से परेशान हैं। क्योंकि जिन गांवों से किसान आ रहे हैं उनके आसपास भी नकद में किसानों को यूरिया उचित मूल्य पर नहीं मिल रहा हैं या फिर है नहीं। शुक्रवार को भी बड़ी संख्या में किसान तहसील कार्यालय टोकन की जुगत में पहुंचे, टोकन नहीं मिलने पर किसानों की परेशानी देख जिला पंचायत उपाध्यक्ष केशु निनामा ने मौके पर पहुंचकर किसानों की समस्या सुनी, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर से चर्चा की।

60 किमी दूर से आ रहे किसान रतलाम

निनामा ने बताया कि दूर दराज से किसान रतलाम तहसील कार्यालय आकर परेशान हो रहे, उन्हे खाद की बोरिया नहीं मिल पा रही हैं। टोकन सेंटर यहां बनाया और किसान 60 किमी दूर से लेने आए हैं, उन्हे नहीं मिल रहा हैं। डीएमओ यशवर्धनसिंह मौके पर पहुंचे, टोकन काउंटर खुलवाकर किसानों को सोमवार के टोकन दिए, कुछ की सूचि बनाकर 2-2 बोरी यूरिया के लिए निजी दुकानों पर पहुंचाया, तब जाकर किसानों की भीड़ खत्म हुई। इसके बाद भी किसानों को टोकन के लिए आना-जाना दोपहर बाद तक लगा रहा।

वर्ष 2010 के रेट पर हो रहा नया भूमि अधिग्रहण, किसानों में बढ़ा आक्रोश

अनूपपुर। जिले में न्यू जोन और टोरंटो कंपनी द्वारा एक बार फिर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई है, लेकिन आरोप है कि यह अधिग्रहण वर्ष 2010 में निर्धारित दरों के आधार पर किया जा रहा है। जबकि वर्तमान में जमीन के बाजार मूल्य और सरकारी गाइडलाइन रेट में कई गुना वृद्धि हो चुकी है। इस स्थिति को लेकर प्रभावित किसानों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय किसानों का कहना है कि बीते 15 वर्षों में महंगाई, खेती की लागत, मजदूरी और जमीन के दामों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद न्यू जोन और टोरंटो कंपनी द्वारा पुराने रेट लागू कर किसानों को कम मुआवजा देने का प्रयास किया जा रहा है। किसानों का आरोप है कि उन्हें न तो वर्तमान बाजार मूल्य के अनुसार भुगतान किया जा रहा है और न ही किसी प्रकार का ब्याज या पुनर्वास लाभ जोड़ा गया है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि कई मामलों में सहमति पत्र जल्दबाजी में भरवाए जा रहे हैं, जिससे किसान अपने अधिकारों से अनजान रह जाते हैं। कुछ किसानों ने बताया कि यदि वे आपत्ति दर्ज कराते हैं तो अधिग्रहण प्रक्रिया रोकने या भुगतान में देरी की चेतावनी दी जाती है।

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 20/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2025-26 — भोपाल, दिनांक 19/12/2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रं.	कार्य की अनु.राशि (रू.लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित संपूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWDRB_469495_1	मुरैना	पुल कार्य	मुरैना जिले में कटेलापुरा से दोहाटी मार्ग पर बरगंवा के पास क्वारी नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।	द्वितीय	1851.28	केवल ऑन-लाईन
2	2025_PWDRB_469550_1	मुरैना	पुल कार्य	मुरैना जिले में ग्राम पंचायत चौकी पलिखिनी के बीच क्वारी नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।	द्वितीय	1774.67	केवल ऑन-लाईन
3	2025_PWDRB_469551_1	शिवपुरी	पुल कार्य	शिवपुरी जिले में मिहावरा व दोनी के बीच सिंध नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।	द्वितीय	1768.45	केवल ऑन-लाईन
4	2025_PWDRB_469496_1	मुरैना	पुल कार्य	मुरैना जिले में ग्राम पंचायत देवरी नगावनी के बीच कुवारी नदी पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।	द्वितीय	1586.15	केवल ऑन-लाईन
5	2025_PWDRB_469497_1	भिण्ड	पुल कार्य	भिण्ड जिले में अंतर्गत बबेडी से नदरौली अकोड़ा में वैशली नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।	द्वितीय	1239.66	केवल ऑन-लाईन
6	2025_PWDRB_469498_1	बालाघाट	पुल कार्य	बालाघाट जिले में अंतर्गत खोंगाटोला से मुरझड मार्ग में सर्राटी नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।	प्रथम	939.88	केवल ऑन-लाईन
7	2025_PWDRB_469499_1	सिवनी	पुल कार्य	सिवनी जिले के अंतर्गत ग्राम भाटमतरा से पांडीवारा मार्ग में वैनगंगा नदी पर पहुंचमार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।	प्रथम	860.44	केवल ऑन-लाईन
8	2025_PWDRB_469500_1	सागर	पुल कार्य	सागर जिले के एस.एच-14 से पडरिया मार्ग के कि.मी.2/8 में सिलार नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण सुरक्षा कार्य सहित।	प्रथम	676.23	केवल ऑन-लाईन
9	2025_PWDRB_469501_1	बालाघाट	पुल कार्य	बालाघाट जिले अंतर्गत निम्देवाडा से केशलवाडा तिवड़ी मार्ग में नरसिंहा नाले पर पहुँच मार्ग सहित उच्च जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।	प्रथम	507.70	केवल ऑन-लाईन
10	2025_PWDRB_469502_1	भोपाल	पुल कार्य	भोपाल जिले में भोपाल कोलार डेम के कि.मी. 11/4 में केरवा नदी पर पहुँच मार्ग सहित उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य।	तृतीय	501.56	केवल ऑन-लाईन
				कुल योग		11706.02	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 09/01/2026 (17:30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी-23410/25

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. सेतु निर्माण
परिक्षेत्र भोपाल

साल 2025 हुआ भारतीय खेल इतिहास के खास वर्षों में शामिल

क्रिकेट से शतरंज तक भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां, रिकॉर्ड भी टूटे, मेडल भी बरसे

नई दिल्ली, एजेंसी

साल 2025 भारतीय खेल इतिहास के उन खास वर्षों में शामिल हो गया, जब देश ने एक साथ कई खेलों में वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का एहसास कराया। क्रिकेट में जहां भारतीय पुरुष टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतकर अपना दबदबा कायम रखा, वहीं नवी मुंबई में महिला टीम की पहली वर्ल्ड कप जीत ने इतिहास रच दिया। इसके साथ ही शतरंज में डी. गुकेश और दिव्या देशमुख जैसे युवा सितारों ने भारत को नई पहचान दिलाई, जबकि नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में एक बार फिर देश का परचम लहराया। पैरा-स्पोर्ट्स और एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि 2025 सिर्फ उपलब्धियों का साल नहीं, बल्कि भारत के खेल महाशक्ति बनने की कहानी का अहम पड़ाव रहा।

2025 एशियन यूथ गेम्स में रिकॉर्ड प्रदर्शन

भारत ने 2025 एशियाई यूथ गेम्स में अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज की, जहां 48 कुल पदक। इनमें 13 गोल्ड, 18 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं। यह सबसे बड़ी एशियाई युवा खेल उपलब्धि थी और इससे भविष्य के युवा खेल सितारों को 2026 युथ ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाइंग स्लॉट भी मिले। भारतीय युवा एथलीट्स ने कुश्ती, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, कबड्डी, वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेलों में दमदार प्रदर्शन दिखाया।

विश्व तीरंदाजी में गोल्ड

2025 में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता। यह भारत का विश्व चैंपियनशिप में पहला कंपाउंड तीरंदाजी गोल्ड था। टीम में ऋषभ यादव, प्रभात सलुनखे और पृथमेश फुगे जैसे युवा खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे इस खेल में भारत की बढ़ती क्षमता स्पष्ट हुई।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार मेडल टैली

भारत ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में दूसरा स्थान हासिल किया और कुल 24 पदक जीते, जिसमें कई गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज में राष्ट्रीय रिकॉर्ड शामिल थे। गुलवीर सिंह ने 5000 मीटर और 10,000 मीटर दोनों में गोल्ड जीता, जबकि अविनाश साबले और ज्योति याराजी सहित कई युवा एथलीटों ने शीर्ष स्तर पर भारत का नाम रौशन किया।

शूटिंग वर्ल्ड कप- भारत का पहला गोल्ड: 20 साल के सम्राट राणा ने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में विश्व चैम्पियनशिप गोल्ड जीता। यह भारत के लिए शूटरिंग वर्ल्ड में एक ऐतिहासिक पल था और इस युवा खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का गौरव बढ़ाया।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में दिखा भारत का दम: ग्रेटर नोएडा में आयोजित 2025 के विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप फाइनल्स में जैस्मिन लैंबोरिया ने महिला 57 किग्रा कैटेगरी में गोल्ड जीता। इसके अलावा नुपुर सेरोन ने +80 किग्रा में सिल्वर हासिल किया, जिससे यह अभियान भारतीय मुक्केबाजी के इतिहास के कुछ सबसे सफल अभियानों में से एक बन गया। विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में भारत ने कुल 20 पदक (9 स्वर्ण, 6 रजत, 5 कांस्य) जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।

खो-खो विश्व कप 2025- विश्व खिताब जीत: भारतीय महिला खो-खो टीम ने 2025 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपनी झोली में डाला। ढाका में हुए फाइनल में चीनी ताइपे को मात देकर यह उपलब्धि भारतीय पारंपरिक खेल की वैश्विक वृद्धि को दर्शाती है।

चैंपियंस ट्रॉफी में चला भारतीय टीम का जादू: भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूज़ीलैंड को हराकर तीसरा चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीता। रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ऐतिहासिक जीत वनडे क्रिकेट में देश की मजबूत पहुंच को दर्शाती है।

चेस में ग्लोबल रिकॉर्ड और सम्मान: भारत के युवा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने 2025 में मैग्नस कार्लसन सहित शीर्ष प्रतिभाओं को पराजित किया और प्रतिष्ठित खेल रत्न सहित कई बड़े सम्मान हासिल किए।

भारतीय महिला टीम पहली बार बनी वर्ल्ड चैंपियन: 2025 का साल भारतीय महिला क्रिकेट के लिए स्वर्णिम अध्याय बनकर आया, जब टीम इंडिया ने पहली बार महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। फाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास, संयम और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम को हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने पूरे टूर्नामेंट में निरंतरता बनाए रखी, जबकि युवा खिलाड़ियों ने बड़े मंच पर बेखौफ प्रदर्शन कर यह साबित किया कि भारतीय महिला क्रिकेट अब नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह खिताबी जीत न सिर्फ एक ट्रॉफी थी, बल्कि महिला क्रिकेट को बराबरी, पहचान और सम्मान दिलाने वाला पल भी साबित हुई।

भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने जीता टी20 विश्व कप का खिताब

2025 में भारतीय महिला दृष्टिबाधित टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। भारतीय टीम ने कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में नेपाल को सात विकेट से हराया। इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार हो रहा था और भारत इस वैश्विक टूर्नामेंट को जीतने में सफल रहा। भारत ने नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया था। जवाब में टीम ने 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

व्यक्तिगत और अन्य खेलों में भारत का ऐतिहासिक दबदबा

साल 2025 में भारत ने केवल टीम खेलों में ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत और उभरते खेलों में भी दुनिया भर में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। शतरंज में डी. गुकेश का प्रदर्शन साल भर चर्चा में रहा, वहीं दिव्या देशमुख ने FIDE महिला वर्ल्ड कप जीतकर भारतीय शतरंज के स्वर्णिम भविष्य की झलक दिखाई। एथलेटिक्स में नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में 90 मीटर का आंकड़ा पार कर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की, जबकि ताइवान एथलेटिक्स ओपन में भारत ने ओवरऑल टेबल टॉप कर अपनी गहराई साबित की। पैरा-स्पोर्ट्स में भारत ने नई ऊंचाइयों को छुआ। नई दिल्ली में हुए वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 22 पदक जीते, वहीं इटली में आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स में 33 पदकों के साथ अब तक का सबसे सफल अभियान दर्ज किया। इसके अलावा नितेन किर्तोने ने पिकलबॉल वर्ल्ड कप में डबल गोल्ड हासिल किया, जबकि भारतीय महिला आइस हॉकी टीम ने एशिया कप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर एक नया अध्याय जोड़ा।

वर्ल्ड में धमाका करेंगे रो-को

रोहित के बचपन के कोच ने जताया भरोसा, दी गारंटी

नई दिल्ली, एजेंसी

विराट कोहली और रोहित शर्मा इस समय शानदार फॉर्म में हैं। भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद दोनों बल्लेबाजों ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड का मानना है कि ये दोनों खिलाड़ी न सिर्फ विश्व कप 2027 खेलेंगे, बल्कि इसे जीतेंगे भी।

दिनेश लाड ने कहा, रोहित शर्मा और विराट कोहली, जिस तरह से प्रदर्शन कर रहे हैं, उसे देखकर शत प्रतिशत भरोसा है कि दोनों खिलाड़ी विश्व कप 2027 खेलेंगे और उनके हाथों में ट्रॉफी होगी। मैं इसकी शत प्रतिशत गारंटी देता हूं। रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। दोनों खिलाड़ी अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में ही खेलते नजर आते हैं।

दो वनडे सीरीज में रोहित का प्रदर्शन

रोहित शर्मा ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर पहले वनडे मैच में 8 रन बनाने के बाद अगले दो मुकाबलों में 73 और 121' रन की पारी खेली थी। इसके बाद रोहित ने साउथ अफ्रीका के विरुद्ध नवंबर-दिसबंर में खेली गई घरेलू वनडे सीरीज में 57, 14 और 75 रन बनाए। उनकी इन पारियों की बदौलत भारत ने तीन मुकाबलों की सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। 38 वर्षीय रोहित शर्मा की यह शानदार फॉर्म विजय हजारे ट्रॉफी में भी नजर आई है, जहां उन्होंने 24 दिसंबर को मुंबई की ओर से खेलते हुए सिक्किम के खिलाफ 94 गेंदों में 9 छक्कों और 18 चैकों के साथ 155 रन बनाकर मुंबई को 8 विकेट से शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

घरेलू क्रिकेट में कोहली भी नजर आए फॉर्म में

इसके बाद कोहली ने साउथ अफ्रीका के विरुद्ध पहले वनडे मैच में 135 रन बनाने के बाद अगले मुकाबले में भी शतक (102 रन) लगाया। अंतिम मुकाबले में उन्होंने नाबाद 65 रन की पारी खेलते हुए भारत को निर्णायक मुकाबले में जीत दिलाई। घरेलू क्रिकेट में कोहली फॉर्म में नजर आए हैं। कोहली ने 24 दिसंबर को विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की ओर से आंध्रा के विरुद्ध 131 रन की पारी खेली। इसके बाद 26 दिसंबर को गुजरात के खिलाफ 61 गेंदों में 77 रन बनाए।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज जीतकर गदगद हुईं हरमनप्रीत कौर, बोलीं-

आक्रामक खेल ही हमारा उद्देश्य

तिरुवनंतपुरम। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज जीतकर टीम ने अपना उद्देश्य पूरा कर लिया है, जिसमें आक्रामक खेल को अपनाने पर खास जोर दिया गया था। यह रणनीति अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखकर बनाई गई है। भारत ने तीसरे टी20 मैच में श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। पिछले महीने अपना पहला वनडे विश्व कप जीतने के बाद अब भारतीय टीम का पूरा ध्यान

टी20 विश्व कप पर है।

कप्तान ने की गेंदबाजों की तारीफ- मैच के बाद कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, यह सीरीज हम सभी के लिए शानदार रही। विश्व कप के बाद हमने तय किया था कि हमें टी20 क्रिकेट में अपने स्तर को और ऊपर ले जाना है और ज्यादा आक्रामक खेल दिखाना है। विश्व कप नजदीक है, इसलिए टीम के कुल प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं। भारतीय कप्तान ने गेंदबाजी इकाई की जमकर तारीफ की और कहा कि पूरी सीरीज में गेंदबाजों ने श्रीलंका को छोटे स्कोर पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में गेंदबाजी बहुत अहम होती है। आज हम जिस स्थिति में हैं, वह हमारे गेंदबाजों की वजह से है, इसलिए सारा श्रेय उन्हें जाता है।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले तूफानी शतक आते ही झूम उठा केकेआर

पावरफुल फिनिशर चाहिए तो रिंकू सिंह को फोन घुमाओ

राजकोट। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में एलीट ग्रुप-बी के मुकाबले में उत्तर प्रदेश के कप्तान रिंकू सिंह ने दर्शकों का ध्यान अपनी बल्ले की ताकत पर खींच लिया। शुक्रवार को राजकोट के Sanosara Cricket Ground A पर चंडीगढ़ के खिलाफ खेलते हुए रिंकू ने केवल 60 गेंदों में नाबाद 106 रनों की धमाकेदार पारी खेली, जिसमें 11 चौके और 4 छक्के शामिल थे। यह उनकी लिस्ट-ए में दूसरी सेंचुरी है। इस पारी ने यूपी को 367/4 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। यूपी की शुरुआत थोड़ी हिचकिचाहट भरी रही। टीम ने केवल 3 रनों पर अपना पहला विकेट गंवाया। हालांकि ध्रुव जुरेल (67) और आर्यन जुयाल (134) ने पारी को संभाला और विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए रिंकू सिंह ने मैदान पर अपना आक्रामक अंदाज दिखाया और विपक्षी गेंदबाजों की

रणनीतियों को ध्वस्त कर दिया। उनकी तेज रन बनाने की शैली और शॉट चयन ने यूपी को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। रिंकू सिंह की यह पारी घरेलू क्रिकेट में ही नहीं, बल्कि आईपीएल के लिए भी गूंज है। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अगले सीजन में उतरने से पहले उन्हें फ्रेंचाइजी से भी तारीफ मिली। 13 करोड़ रुपये में पहले ही रिटेन हो चुके रिंकू के लिए चयक्रने उनकी फिनिशिंग क्षमता की तारीफ करते हुए मजेदार ट्वीट किया- पावरफुल फिनिशर चाहिए तो रिंकू सिंह को फोन घुमाओ)। यह ट्वीट न केवल उनके आक्रामक खेल को उजागर करता है, बल्कि टीम के लिए मैच फिनिशर के रूप में उनकी अहमियत को भी दर्शाता है। विजय हजारे ट्रॉफी में सेंचुरी और आईपीएल में रिटेनमेंट ने उन्हें घरेलू और पेशेवर दोनों प्लेटफॉर्म पर एक दमदार खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर दिया है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सहर बंबा ने साझा किए बीते 25 सालों में पांच सबसे यादगार पल

मैं कभी नहीं भूल सकती

सिनेमा की दुनिया में जब भी किसी कलाकार के नाम का जिक्र होता है, तो दर्शक उन्हें उनके सफर और अनुभवों से याद करते हैं। इस कड़ी में फिल्म द बैड्स ऑफ बॉलीवुड की एक्ट्रेस सहर बंबा ने बताया कि 2000 से 2025 तक उनके जीवन के पांच सबसे यादगार पल कौन-कौन से रहे।

सहर ने कहा कि सबसे यादगार पलों की शुरुआत उस दिन से होती है जब उन्होंने फिल्म द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के ट्रेलर लॉन्च पर शाहरुख खान के साथ स्टेज साझा किया और उनके साथ डांस किया। सहर ने कहा, ÷यह सिर्फ एक फैन मोमेंट नहीं था, बल्कि एक जरिया था यह याद दिलाने का कि मुझे सिनेमा से प्यार क्यों हुआ था। यह पल मेरे लिए सपना सच होने जैसा था, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती।÷ दूसरे सबसे यादगार पल के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, ÷मेरे लिए दूसरा सबसे यादगार पल वह था जब मुझे आर्यन खान ने खुद कॉल करके बताया कि वह शो का हिस्सा बन गई हैं। इस कॉल ने मेरी जिंदगी बदल दी। मुझे उस वक्त एहसास हुआ कि मैं किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए चुनी गई हूं। यह कॉल उनके मुझपर भरोसा किए जाने के बारे में था।÷ सहर ने बताया,

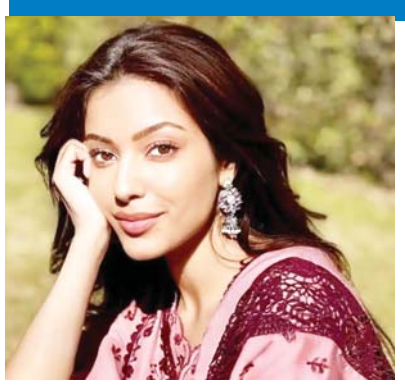

तीसरा यादगार पल था, जब मैंने पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर सेट पर कदम रखा। उस समय मुझे कोई बाहरीपन महसूस नहीं हुआ, ऐसा लगा जैसे मेरा सेट से कोई खास जुड़ाव हैं। मैं कहानी को पूरी तरह से निभाने और पेशेवर रूप से काम करने के लिए तैयार थी। यह एहसास मेरे आत्मविश्वास और पेशेवर दृष्टिकोण के लिए बहुत महत्वपूर्ण था।

मेरा परिवार हमेशा सबसे बड़ा सहारा और प्रेरणा रहा है

चौथे सबसे खास पल की बात करते हुए उन्होंने कहा, चौथा खास पल परिवार से जुड़ा हुआ है। अपने परिवार का अपने ऊपर गर्व देखकर मैं इमोशनल हो गई थी। जब परिवार के सदस्यों ने मेरी मेहनत और सफर को देखा, तो वह मुझ पर गर्वित हुए। मेरा परिवार हमेशा सबसे बड़ा सहारा और प्रेरणा रहा है। पांचवां और आखिरी महत्वपूर्ण पल था सहर के लिए एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान पाना। उन्होंने कहा, मैंने एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है। कब ना कहना है, धैर्य रखना है, और समय पर भरोसा करना है, यह मैंने सीख लिया है। यह अंदरूनी बदलाव मेरे लिए किसी बाहरी सफलता जितना ही महत्वपूर्ण है।

सुभाष घई की पसंदीदा फिल्म है ब्लैक एंड व्हाइट, निर्देशक ने बताई मजेदार वजह

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने अपनी साल 2008 की फिल्म ब्लैक एंड व्हाइट को लेकर दिल की बात कही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने फिल्म को अपनी पसंदीदा बताया। सुभाष घई ने मजेदार अंदाज में बताया कि यह फिल्म उनकी पसंदीदा क्यों है?

सुभाष घई ने हल्के-फुल्के अंदाज में खुलासा किया कि यह फिल्म उनकी पसंदीदा इसलिए है क्योंकि यह उनकी पारंपरिक सुभाष घई स्टाइल वाली फिल्म नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि रिलीज के समय आम दर्शकों को यही लगा, वहीं काफी लोगों को इसका कंटेंट बेहद पसंद आया। कई बड़े निर्देशकों ने फोन कर तारीफ की, जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि थी।

सुभाष घई ने पोस्ट में लिखा, यह सुभाष घई टाइप की फिल्म नहीं है। फिल्म रिलीज के समय मास ऑडियंस का पहला रिएक्शन यही था कि यह सुभाष घई की सामान्य फिल्मों जैसी नहीं लग रही। हालांकि, क्लास ऑडियंस को फिल्म और उसका कंटेंट बहुत पसंद आया, क्योंकि यह साल 2008 में बनी एक रियल लाइफ पर आधारित फिल्म थी। घई ने याद करते हुए कहा कि रिलीज के बाद कई डायरेक्टर्स के फोन आए, जिन्होंने फिल्म की तारीफ की थी, जो उनके लिए बड़ी बात है। उन्होंने आगे लिखा, फिल्म रिलीज होने पर मुझे टॉप डायरेक्टर्स के फोन आए, जिन्होंने फिल्म की तारीफ की। यह सच में एक बहुत बड़ी तारीफ थी। यह फिल्म अभी भी मेरी पसंदीदा है क्योंकि यह सुभाष घई की फिल्म नहीं है, प्लीज इसे टीवी पर जरूर देखें।

मेट्रो बाजार

12 लाख तक की आय टैक्स फ्री करने के बाद अभी और होंगे सुधार

नई दिल्ली। भारत के आर्थिक परिदृश्य में बड़े बदलावों के संकेत देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कर दिया कि सरकार के सुधारों का सिलसिला थमने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आने वाले समय में सुधारों की यह प्रक्रिया और भी अधिक जोश और ताकत के साथ जारी रहेगी। सरकार का मुख्य फोकस ईज ऑफ लिविंग यानी आम जनता के जीवन को आसान बनाने पर है। शुक्रवार को केंद्र सरकार की ओर से साझा की गई सुधारों की उपलब्धियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने यह बात कही। यह बयान ऐसे समय में आया है जब सरकार टैक्स, लेबर और कॉर्पोरेट कानूनों में बड़े बदलावों को लागू कर चुकी है।

सरकार की ओर से जारी आंकड़ों और प्रधानमंत्री के वक्तव्य से साफ है कि इनकम टैक्स एक्ट 2025का सबसे बड़ा लाभार्थी मध्यम वर्ग है। अब 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि मध्यम वर्ग के परिवारों के हाथ में खर्च और निवेश के लिए अधिक पैसा बच रहा है। इससे अर्थव्यवस्था में खपत बढ़ रही है। नए टैक्स कानून ने कर प्रणाली को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया है, जिससे करदाताओं को कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिली है। सरकार की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापारिक जगत के बारे में कहा गया कि छोटे व्यवसायों को अब लाभ खोने के डर के बिना आगे बढ़ने की आजादी है। नई छोटी कंपनियों की परिभाषा का विस्तार किया गया है।

चीन से भारत आएगा रेयर अर्थ मैग्नेट

भारतीय कंपनियों को लाइसेंस देना शुरू किया

नई दिल्ली। चीन ने भारतीय कंपनियों और भारत में काम कर रही विदेशी कंपनियों को रेयर अर्थ मैग्नेट निर्यात करने के लिए लाइसेंस जारी करना शुरू कर दिया है। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने इन एप्लीकेशंस को प्रोसेस करना और मंजूरी देना शुरू कर दिया है।

पिछले कुछ समय से इन महत्वपूर्ण कच्चे माल की सप्लाई रुकने की वजह से भारतीय ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में चिंता बनी हुई थी, जो अब धीरे-धीरे दूर हो सकती है।

लाइसेंस पाने वाली कंपनियों में जय उशिन, जर्मन ऑटो कंपोनेंट मेकर कॉन्टिनेंटल एजी की भारतीय यूनिट्स, महिंद्रा और मारुति सुजुकी के वेंडर्स के साथ-साथ होंडा स्केट्स और मोटरसाइकिल के सप्लायर्स शामिल हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि यह अभी एक धीमी शुरुआत है, लेकिन प्रोसेस शुरू होने से इंडस्ट्री ने राहत की सांस ली है।

क्यों जरूरी है रेयर अर्थ मैग्नेट?- रेयर अर्थ मैग्नेट ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल डिवाइसेज और डिफेंस इंडस्ट्री के लिए बेहद जरूरी होते हैं। इलेक्ट्रिक गाड़ियों की मोटर्स में इनका सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। चीन इस समय दुनिया भर में रेयर अर्थ मैग्नेट के प्रोडक्शन और कैपेसिटी के मामले में सबसे आगे है। 4 अप्रैल से चीन ने इन मैग्नेट्स के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगा दी थी, जिससे पूरी दुनिया की सप्लाई चेन प्रभावित हुई थी। रेयर मटेरियल्स का इस्तेमाल खास तौर पर इलेक्ट्रिक गाड़ियों में किया जाता है। इनका उपयोग परमानेंट मैग्नेट इलेक्ट्रिक मोटर्स के लिए कॉम्पेक्ट और हाई परफॉर्मेंस मेग्नेट बनाने के लिए किया जाता है।

कश्मीर में उमड़ी सैलानियों की भीड़ पर्यटन को मिली नई जान

श्रीनगर। कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता ताज़ा बर्फबारी के बाद एक बार फिर अपने चरम पर पहुंच गयी है और घाटी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में इज़ाफ़ा देखने को मिला है। बर्फ से ढके पहाड़, जमी हुई झीलें, देवदार के पेड़ों पर जमी बर्फ और सर्द मौसम ने कश्मीर को एक बार फिर पर्यटकों की पहली पसंद बना दिया है। बर्फ़बारी के तुरंत बाद गुलमर्ग, सोनमर्ग, पहलगाम और अन्य पहाड़ी इलाकों में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक घाटी में आ रहे हैं, जिनमें परिवार, युवाओं के समूह और हनीमून मनाने वाले जोड़े शामिल हैं। गुलमर्ग में इस समय पर्यटकों की सबसे अधिक भीड़ है जहां लोग बर्फ के खेलों, स्कीइंग, स्नोमोबिलिंग और गोंडोला की सवारी का आनंद ले रहे हैं। ताजा बर्फबारी के बाद गुलमर्ग का नजारा किसी यूरोपीय रिसॉर्ट से कम नहीं लगता।

न्यूज विंडो

पीएम की हार, भारत की हार, बीजेपी-कांग्रेस की नहीं विदेश नीति: थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर एक बार फिर चर्चा में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि विदेश नीति भाजपा या कांग्रेस की नहीं, बल्कि भारत की होती है। अगर प्रधानमंत्री हारते हैं, तो यह पूरे देश की हार है और पीएम मोदी की हार का जश्न मनाना भी भारत की हार का जश्न मनाने जैसा ही है।शशि थरूर ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के शब्दों में कहा, 'अगर भारत मर गया, तो फिर कौन जिंदा रहेगा?' साथ ही उन्होंने पाकिस्तान से आने वाले खतरे से भी देश के आगाह किया है। शशि थरूर ने कहा, 'पाकिस्तान तेजी से अपनी रणनीति में बदलाव कर रहा है। पहले ड्रोन,रॉकेट और मिसाइल हमले करने वाला पाकिस्तान अब हाइपरसोनिक मिसाइल पर जोर दे रहा है। पाकिस्तान छिप कर हमला करने की ओर अग्रसर है, जिसे हम किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। '

जापान: एक्सप्रेसवे पर टकराई 50 गाड़ियां, 1 मौत, कई घायल

टोक्यो। जापान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां साल के अंत की छुट्टियों की शुरुआत के बीच शुक्रवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। बर्फबारी के कारण एक्सप्रेसवे पर हुए इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि 26 लोग घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा टोक्यो से करीब 160 किलोमीटर दूर गुनमा प्रांत के मिनाकामी शहर के पास कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर हुआ। पुलिस के मुताबिक, सबसे पहले दो ट्रकों की टक्कर हुई।इसके बाद पीछे से आ रही गाड़ियां बर्फ से ढकी सड़क पर ब्रेक नहीं लगा सकीं और एक के बाद एक कई वाहन आपस में टकरा गए। इस हादसे में 50 से ज्यादा वाहन शामिल थे। टक्कर के बाद एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा पूरी तरह जाम हो गया।

छपरा में अंगीठी बनी काल! एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

छपरा। बिहार के छपरा शहर में भगवान बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबिका भवानी कॉलोनी, भारत मिलाप चौक के पास शुक्रवार की देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। ठंड से बचने के लिए घर के अंदर जलाई गई अंगीठी से निकले जहरीले धुएं ने एक ही परिवार के चार लोगों की जान ले ली, जबकि तीन अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों में एक वृद्ध महिला और तीन मासूम बच्चे शामिल हैं, जिससे पूरे इलाके में कोहराम मच गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार के सदस्य रात में ठंड अधिक होने के कारण कमरे के भीतर अंगीठी जलाकर सो गए थे। बंद कमरे में अंगीठी का धुआं फैलने से कार्बन मोनोऑक्साइड गैस जमा हो गई, जिससे सभी लोग बेहोश हो गए।देर रात तक किसी को घटना की भनक नहीं लगी। सुबह जब परिवार के अन्य सदस्यों ने दरवाजा खोला तो कुछ लोग अचेत अवस्था में मिले, जबकि चार की मौत हो चुकी थी।इस हादसे में 70 वर्षीय कमलावती देवी, तीन वर्षीय तेजांश, सात माह की अध्या और नौ माह की गुड़िया की दम घुटने से मौत हो गई। मासूम बच्चों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-दोनों शादी कर जी रहे खुशहाल जीवन इसलिए केस रद्द

सिक्स सेंस के आधार पर रेप के आरोपी को किया आजाद

नई दिल्ली, एजेंसी

रेप केस में जेल की सजा काट रहे एक व्यक्ति को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने छठी इंद्री (सिक्स सेंस) के आधार पर फैसला लिया है। कोर्ट का कहना है कि आरोपी और पीड़िता ने सहमति से संबंध बनाए थे, लेकिन रिश्ते में खटास आने के बाद पीड़िता ने युवक पर झूठा आरोप लगा दिया और उसे 10 साल की सजा सुना दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी और पीड़िता समेत दोनों के परिवार से भी बातचीत की। दोनों का विवाह हो चुका है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने यह सजा रद्द करते हुए केस खत्म करने का फैसला किया है।

हाईकोर्ट से नहीं मिली थी जमानत

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, यह अनोखा केस है। आरोपी ने अपनी सजा खत्म करने की अपील की थी। हाईकोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। हम छठी इंद्री के आधार इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि आरोपी और पीड़िता साथ रह सकते हैं।

9 महीने बाद आया फैसला

आरोपी मध्य प्रदेश की जेल में बंद था। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने एमपी पुलिस को आदेश दिया कि आरोपी को पुलिस सुरक्षा में सुप्रीम कोर्ट लाया जाए। हालांकि, इस मामले की सुनवाई में 9 महीने का लंबा समय लग गया। कोर्ट ने मार्च में नोटिस जारी किया था और अब दिसंबर में इसपर फैसला आया है। इस बीच आरोपी और पीड़िता ने शादी कर ली है। बता दें कि आरोपी और पीड़िता से बातचीत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई में जमानत याचिका पर मुहर लगा दी थी, जिसके बाद दोनों ने शादी कर ली। वहीं, अब मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट को पता चला कि दोनों खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं। ऐसे में अदालत ने केस रद्द करने का फैसला सुनाया है।

'रिवोल्यूशनरी राजः नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष'

आलोक मेहता ने पीएम मोदी को भेंट की अपनी किताब

नई दिल्ली, एजेंसी

वरिष्ठ संपादक, लेखक एवं टीवी प्रसारक एवं पद्मश्री आलोक मेहता ने अपनी नई पुस्तक 'रिवोल्यूशनरी राजः नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष' की एक प्रति माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट की। शुभी पब्लिकेशंस द्वारा प्रकाशित यह कॉफी टेबल बुक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, उनके परिवर्तनकारी शासन, प्रशासनिक नवाचारों तथा प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करती है जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर भारत के प्रधानमंत्री तक की उनकी यात्रा को समाहित किया गया है।भेंट के दौरान हुई चर्चा में भारत के भविष्य की विकास दृष्टि, शासन में जमीनी अनुभव का महत्व, तथा सरकार से जनता की अपेक्षाओं पर विचार-विमर्श हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने पुस्तकों और पुस्तकालयों के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि बच्चों में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने छात्रों को एनसीसी जैसी प्रशिक्षण गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया, जिससे उनमें अनुशासन, नागरिक चेतना और राष्ट्रभावना विकसित हो।आलोक मेहता अपने नियमित साप्ताहिक कॉलम तथा अपने यू ट्यूब चैनल ' एडिटर्स ऑय ' पर भी ऐसे विषयों पर लिखते बोलते रहते हैं । इस अवसर पर संजय आर्य, प्रकाशक, शुभी पब्लिकेशंस भी उपस्थित थे। यह पुस्तक शीघ्र ही प्रकाशक के माध्यम से तथा अमेज़न पर उपलब्ध होगी।

25 मानकों पर फेल हो गया नोएडा का जेवर एयरपोर्ट, उड़ान भरने में अभी लगेगा टाइम

नई दिल्ली। नोएडा और नवी मुंबई में एयरपोर्ट बनाने का काम करीब साथ-साथ शुरू हुआ था। नवी मुंबई एयरपोर्ट का कमर्शियल ऑपरेशन शुरू हो चुका है लेकिन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में अभी और समय लगेगा। दिल्ली के करीब जेवर में देश का सबसे बड़ा छह रनवे वाला इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहा है। लेकिन यहां से उड़ान भरने के लिए यात्रियों को अभी और इंतजार करना होगा। इसका अहम कारण इस एयरपोर्ट के विदेशी सीईओ होने के साथ ही इसके सुरक्षा मानकों पर भी खरा नहीं उतरना है। हाल ही में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सिक्योरिटी ऑडिट की गई तो यह 25 से अधिक मानकों में फेल पाया गया।इनमें सबसे अहम इसकी करीब 14 किलोमीटर दूरी में बनी पेरीमीटर वॉल भी रही। इसके केवल तकरीबन पांच किलोमीटर हिस्से को ही कंक्रीट का

बनाया गया है, बाकी में चेन लिंक फेंसिंग खड़ी कर दी गई है। इसके नीचे से थोड़ी सी खुदाई करके कोई भी जानवर या अराजक तत्व एयरपोर्ट के अंदर रनवे के नजदीक तक जा सकता है। नागर विमानन मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि इस एयरपोर्ट के खुलने में कई बार डेडलाइन मिस हुई हैं।

60 के हुए सलमान खान, बर्थडे का जश्न मनाने पहुंचे धोनी समेत कई सेलेब्रिटी

मुंबई, एजेंसी

आज सलमान खान का 60वां बर्थडे है, जिसकी तैयारियां कई दिनों से जोरों-शोरों से चल रही थीं। भाईजान के लिए इस मौके को खास बनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी गई। मेहमानों से लेकर खाने तक की लिस्ट तैयार कर ली गई और अब पनवेल स्थित फार्महाउस पर ग्रैंड पार्टी शुरू हो गई है। सलमान ने फार्महाउस पर पार्टी तो बड़ी रखी है, पर इसमें सिर्फ परिवार, करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही शामिल हुए।पार्टी के लिए सलमान के परिवार के अलावा अन्य फिल्म स्टार्स पहुंच गए हैं, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं।

सलमान खान का 60वां बर्थडे बहुत स्पेशल होगा। सलमान भांजी आयत के साथ अपना बर्थडे केक काटेंगे। आयत, सलमान की छोटी बहन अर्पिता की बेटी है और

उसका भी 27 दिसंबर को ही बर्थडे आता है। सलमान ने एक बेहद प्राइवेट पार्टी रखी है, जिसमें महेंद्र सिंह धोनी और पत्नी साक्षी के अलावा हुमा कुरैशी, रणदीप हुड्डा-लिन लैशराम और वरुण शर्मा के अलावा पूरा खान परिवार नजर आया। इसके अलावा गैलेक्सी अपार्टमेंट्स के बाहर सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है पुलिस तैनात है।

मेट्रो एंकर

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार 693.318 अरब डॉलर पर पहुंचा

सोने ने एक बार फिर बढ़ाया भारत का विदेशी मुद्रा भंडार

मुंबई, एजेंसी

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर इजाफा हुआ है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 19 दिसंबर को समाप्त के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.368 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 693.318 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया।

इससे पहले के सप्ताह में यह भंडार 1.689 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 688.949 अरब डॉलर पर था। यह वृद्धि ऐसे समय में आई है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितताएं बनी हुई हैं, लेकिन भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति और आरबीआई की सतर्क नीतियों ने

भंडार को मजबूती प्रदान की है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ते विदेशी मुद्रा भंडार से रुपये की स्थिरता सुनिश्चित होती है और आयात तथा बाहरी कर्ज चुकाने में आसानी होती है।आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा संपत्तियां हैं, जो इस सप्ताह 1.641 अरब डॉलर बढ़कर 559.428 अरब डॉलर हो गईं। इन संपत्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्यांकन में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है।

सोने के भंडार में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इस सप्ताह भंडार के सोने का मूल्य 2.623 अरब डॉलर बढ़कर 110.365 अरब डॉलर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में तेजी ने इस बढ़ोतरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8 मिलियन डॉलर बढ़कर 18.744 अरब डॉलर हो गए।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति भी 9.5 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 4.782 अरब डॉलर पर पहुंच गई। आरबीआई के अधिकारी इस वृद्धि को सकारात्मक मानते हैं, क्योंकि यह अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत है। हालांकि, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और मुद्रास्फीति के दबाव के बीच भंडार को और मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। आने वाले हफ्तों में बाजार की नजर आरबीआई की अगली रिपोर्ट पर रहेगी, जो अर्थव्यवस्था के रुझानों को और स्पष्ट करेगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564